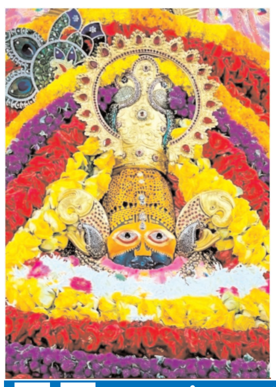

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:16। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,12 सितंबर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले पीएम मोदी का संदेश

बोले- वैश्विक मुद्दों पर होंगी सकारात्मक चर्चाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में दुनिया के कई देशों के नेता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में जुटेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस उच्चस्तरीय बैठक में दुनिया के कल्याण को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग वैश्विक मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा होगी। पीएम मोदी ने यह बात शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कही। उन्होंने अपने संदेश के साथ संस्कृत का एक श्लोक भी साझा किया।

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किंचिदाचरेत्॥

इसका भाव यह है कि व्यक्ति को हमेशा अच्छे और गुणी लोगों के बीच रहना चाहिए और उनकी संगति करनी चाहिए। साथ ही, अच्छे लोगों के साथ संवाद और

मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए, क्योंकि आपसी सद्भाव, बातचीत और मित्रता से शांति और सहयोग मजबूत होता है।

भारत में कब और कहां होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इसी के तहत 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होगा।

ब्रिक्स बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा होगी?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी। सदस्य देश और अन्य आमंत्रित प्रतिनिधि वैश्विक तथा क्षेत्रीय मामलों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इन मुद्दों को लेकर देशों के बीच आपसी महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

ब्रिक्स सम्मेलन 2026: दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

• राष्ट्रपति भवन संग्रहालय और अमृत उद्यान भी बंद

एजेंसी

नई दिल्ली: 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस बार नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। कई प्रमुख स्थान भी अगले तीन बंद रहेंगे, जिसमें राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन म्यूजियम और अमृत उद्यान को शुक्रवार से रविवार तक विजिटर्स के लिए बंद रखा गया है। एक अधिकारी ने बयान में कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में 'चेंज ऑफ गार्ड' (गार्ड परिवर्तन) सेरेमनी भी नहीं होगी। यह कदम ब्रिक्स प्रतिनिधियों को होने वाली परेशानी कम करने और शिखर सम्मेलन स्थल के आसपास के इलाकों में आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगाकर सड़कों पर भीड़ कम करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा, दिल्ली मेट्रो ने भी सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर स्थित अपने म्यूजियम को शुक्रवार से तीन दिनों तक बंद रखने का फैसला किया है। वहीं, दिल्ली सरकार ने पहले ही 11 सितंबर को अपने कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा की है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने भी उस दिन केंद्र सरकार के कार्यालयों में छुट्टी की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक सर्कुलर जारी किया है। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर एक ट्रैफिक एजवाइजरी जारी की। इसमें बताया गया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के चलते दिल्ली के मुख्य रास्तों पर दोपहर 2 बजे से रात 8.30 बजे तक ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा और आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा।

पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें, यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें, पब्लिक ट्रांसपोर्ट (खासकर मेट्रो) का इस्तेमाल करें और तय डायवर्जन रूट व ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। पुलिस ने कहा कि इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं वाली गाड़ियों को निकलने में प्राथमिकता दी जाएगी।इससे पहले, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अदालतों में आधिकारिक कामकाज और कानूनी मामलों की तारीखों में बदलाव के बारे में लोगों को जानकारी दी थी।

बद्रीनाथ धाम में हादसा, तप्त कुंड में नहाते समय दो बुजुर्ग महिला श्रद्धालुओं की मौत

चमोली । बद्रीनाथ धाम में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तप्त कुंड में स्नान के दौरान दो बुजुर्ग महिला यात्रियों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है। चमोली पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 63 वर्षीय प्रेमा देवी और 71 वर्षीय रामू देवी के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं राजस्थान की रहने वाली थीं। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं तप्त कुंड में स्नान कर रही थीं, तभी वे कुंड के अंदर बेहोश हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस और मंदिर प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन अधिक उम्र होने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है।

सार समाचार

गोशालाओं को अब संरक्षण के साथ बनाया जाएगा आत्मनिर्भरता का मॉडल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में गोशालाओं को प्राकृतिक कृषि, जैविक उर्वरक, बायोगैस, पंचगव्य आधारित उत्पादों और ग्रामीण रोजगार से जोड़ने की दिशा में उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के संयुक्त सहयोग से कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में 25 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पिकअप भवन में आयोजित बैठक में गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने गोवंश संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना में वर्तमान में एक से चार गोवंश सुपुर्द किए जाने की सीमा बढ़ाकर अधिकतम 10 गोवंश किए जाने का सुझाव दिया।

पंजाब में भाजपा चलाएगी बड़ा नशा विरोधी अभियान

नई दिल्ली। पंजाब में नशे के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी बड़े स्तर पर अभियान शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी की ओर से राज्यभर में चार अलग-अलग नशा विरोधी यात्राएं निकाले जाने की योजना है। सूत्रों के मुताबिक, इन यात्राओं के जरिए भाजपा नशे के मुद्दे को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने और इसे पंजाब की प्रमुख राजनीतिक बहस में शामिल करने की कोशिश करेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन में बदलाव आया : अमित शाह

'हमने 'जीरो कैजुअल्टी' के साथ कई आपदाओं का सफलतापूर्वक सामना भी किया है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में आपदा प्रबंधन के नजरिए और तौर-तरीकों में व्यापक बदलाव आया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (एनआईडीएम) की गवर्निंग बॉडी की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरे डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम को पूरी तरह से बदल दिया है, 'जीरो कैजुअल्टी' का लक्ष्य तय किया है। देश को इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'हमने 'जीरो कैजुअल्टी' के साथ कई आपदाओं का सफलतापूर्वक

सामना भी किया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। पहले आपदाओं को केवल राहत और पुनर्वास के नजरिए से देखा जाता था। आज, हम तीन स्तंभों - जोखिम कम करने, शुरुआती चेतावनी प्रणालियों और 'जीरो कैजुअल्टी' - पर आधारित एक नए युग में प्रवेश कर चुके हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।'

उन्होंने कहा कि इस दिशा में, 'होल ऑफ गवर्नमेंट' (पूरी सरकार का एक साथ मिलकर काम करना) का दृष्टिकोण हमारे काम करने के तरीके का एक अहम हिस्सा बनता जा रहा है। जब भी कोई आपदा आती है, तो सरकार के सभी विभाग सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देते हैं। अब, नई रिसर्च की ताकत के साथ हमें प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए और लगातार निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस तरह आपदाओं से निपटने में 'होल ऑफ गवर्नमेंट' का दृष्टिकोण अपनाया गया है, उसी तरह डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के लिए भी हमें 'होल ऑफ गवर्नमेंट' के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

बड़ा खुलासाः एआई से जैविक हथियार बनाने की कोशिश!

एंथ्रोपिक ने कई खतरनाक मामले समय रहते रोके

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की ताकत जितनी बढ़ रही है, उसके गलत इस्तेमाल का खतरा भी उतना ही गंभीर होता जा रहा है। अब एआई के जरिए सिर्फ साइबर हमले या फर्जी कंटेंट तैयार करने का खतरा नहीं है, बल्कि जैविक हथियारों से जुड़ी रिसर्च में भी इसके दुरुपयोग की आशंका सामने आई है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने दावा किया है कि उसने अपने क्लॉड मॉडल के जरिए जैविक हथियार विकसित करने से जुड़ी कई संदिग्ध गतिविधियों को समय रहते रोक दिया।

एंथ्रोपिक के मुताबिक, इस साल सामने आए कुछ मामलों में उसके मॉडल का इस्तेमाल ऐसी वैज्ञानिक रिसर्च के लिए करने की कोशिश की गई, जिसका इस्तेमाल खतरनाक जैविक एजेंट तैयार करने में किया जा सकता था। कंपनी ने संदिग्ध अकाउंट्स पर कार्रवाई करते हुए उन्हें स्थायी रूप से बंद कर दिया।

चिकनगुनिया वायरस से जुड़ा गंभीर मामला

एंथ्रोपिक के सामने सबसे चिंताजनक मामला मई में सामने आया। कंपनी के अनुसार, एक वैज्ञानिक ने क्लॉड की मदद से चिकनगुनिया वायरस के जीनोम में ऐसे बदलावों की दिशा में काम करने की कोशिश की, जिनसे वायरस का असर ज्यादा गंभीर हो सकता था। जांच के दौरान इस गतिविधि से जुड़ा संस्थान एक विदेशी सैन्य शोध केंद्र पाया गया। इसके बाद एंथ्रोपिक के सुरक्षा सिस्टम ने मामले को चिन्हित किया और संदिग्ध गतिविधि को रोक दिया।

एंथ्रोपिक के थ्रेट इंटेलिजेंस प्रमुख जैकब क्लेन ने बताया कि इन मामलों में इस्तेमाल की गई वैज्ञानिक भाषा बेहद जटिल थी। शुरुआत में यह तय करना आसान नहीं था कि एआई से मांगी गई जानकारी किसी वैक्सीन, बीमारी के इलाज या दूसरे मेडिकल शोध के लिए है या इसके पीछे नुकसान पहुंचाने का इरादा है। यही वजह एआई के दुरुपयोग को पकड़ना मुश्किल बनाती है। किसी वायरस या रोगाणु पर किया जा रहा शोध चिकित्सा के लिए उपयोगी भी हो सकता है और उसी जानकारी का इस्तेमाल नुकसान पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है।

एआई की दोहरी क्षमता बन रही बड़ी चुनौती

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी चिंता एआई की तथाकथित दोहरी उपयोग वाली क्षमता को लेकर है। वैज्ञानिक ज्ञान का इस्तेमाल एक तरफ नई दवाएं, इलाज और वैक्सीन विकसित करने में किया जा सकता है, वहीं दूसरी तरफ उसी जानकारी का इस्तेमाल खतरनाक जैविक एजेंटों पर काम करने के लिए भी किया जा सकता है।

दिग्विजय दिवस : स्वामी विवेकानंद के शब्द आज भी दुनिया में गूंजते हैं, पीएम मोदी समेत मुख्यमंत्रियों ने किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई मुख्यमंत्रियों ने उन्हें नमन किया है। यह दिन हर वर्ष 'दिग्विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, '11 सितंबर 1893, शिकागो। स्वामी विवेकानंद के मनमोहक भाषण ने भारत की सभ्यतागत संस्कृति की झलक पेश की। उनके प्रेरणादायक शब्द आज भी पूरी दुनिया में गूंजते हैं।' सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, 'शिकागो में स्वामी विवेकानंद द्वारा किया गया ऐतिहासिक भाषण दुनिया को भारत की संस्कृति का दर्शन कराता है। हर भारतीय के लिए यह एक प्रेरणा का स्रोत है। 'दिग्विजय दिवस' के अवसर पर स्वामी विवेकानंद को कोटि-कोटि नमन। '

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा, 'शिकागो धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद का ओजस्वी उद्बोधन भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की विराट अभिव्यक्ति थी, जिसने विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया। स्वामी जी ने भारत की सर्वसमावेशी विचारधारा और

'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को विस्तार प्रदान करते हुए विश्व को शांति, सद्भाव और मानव-एकता का मार्ग दिखाया। आज ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर सभी को हार्दिक बधाई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पूज्य स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक 'शिकागो उद्बोधन' की 133वीं वर्षगांठ पर उन्हें कोटिशः नमन! 1893 में विश्व धर्म संसद में उनके द्वारा कहे गए शब्द 'मेरे अमेरिकी भाइयो और बहनो' ने न केवल भारत के सार्वभौमिक सहिष्णुता के संदेश को विश्व पटल पर स्थापित किया, बल्कि समूची मानवता को एकता का नया मार्ग भी दिखाया।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'दिग्विजय दिवस! सन् 1893 में आज ही के दिन स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्म संसद में अपने ओजस्वी विचारों से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का गौरव पूरे विश्व के सामने स्थापित किया था। उनका संदेश आज भी भारत की ज्ञान, संस्कृति और मानवता की महान परंपरा का प्रतीक है। ' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत की आध्यात्मिक चेतना के विश्वदूत, युगद्रष्टा एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के 133वें दिग्विजय दिवस पर शत-शत् नमन। वर्ष 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में आपके ओजस्वी संबोधन ने विश्व को भारत की सनातन संस्कृति की उदारता, सहिष्णुता और मानव कल्याण की महान परंपरा से परिचित कराया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'विश्व के आध्यात्मिक पटल पर भारत की सनातन चेतना का तेजस्वी उद्घोष करने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के शिकागो उद्बोधन को नमन। 11 सितंबर 1893 को शिकागो की धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद जी के ओजस्वी संबोधन ने भारत की आध्यात्मिक विरासत, सहिष्णुता और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की महान भावना को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित किया। उनके शब्दों में वाणी का ओज और भारत की सनातन आत्मा, ज्ञान की दिव्य परंपरा व मानवता के कल्याण का विराट संकल्प निहित था।

परिवार के सदस्य को बचाने के चक्कर में 5 लोग बाढ़ के पानी में डूबे, सभी की मौत

एक ही परिवार के चार लोग मृतकों में शामिल

एजेंसी

भागलपुरः बिहार के भागलपुर जिले के बाईपास पुलिस स्टेशन इलाके में कोयली खुथा गांव में सड़क पर जमा बाढ़ के गहरे पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण वहां पानी जमा हो गया था। इस दुखद घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित अपने खेतों की ओर जा रहे थे, तभी एक व्यक्ति सड़क पर जमा गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उस व्यक्ति को बचाने की कोशिश में कई और लोग पानी में उतरे, लेकिन इस दौरान पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पीड़ितों को पानी से बाहर निकाला और उन्हें जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और

अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन पांचों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मंचोन देवी, सोनाक्षी कुमारी, प्रिंस कुमार, अभिषेक कुमार और अंशु प्रिया के तौर पर हुई है। पीड़ितों में से चार लोग एक ही परिवार के थे, जबकि पांचवां व्यक्ति उनका पड़ोसी था। स्टेशन हाउस ऑफिसर, स्थानीय पंचायत मुखिया और निवासी भी मायागंज अस्पताल पहुंचे। एक पड़ोसी राजेश कुमार ने कहा, 'कुल मिलाकर पांच लोगों की मौत हुई है। घटना यह हुई है कि ये लोग सड़क के किनारे एक खेत देखने के लिए गए हुए थे, वहां पर रोड के किनारे खाई है और बच्चे गए हुए थे, एक बच्चा डूबने लगा तो उसको बचाने के लिए पांचों डूब गए। किसी को भी तैरना नहीं आता था, एक ही परिवार के चार लोग थे, यहां पर करीब छह या सात दिन से पानी है। '

मप्र के इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक माह में दूसरी मौत

महिला ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) पॉजिटिव महिला की मौत हो गई। वह एक सरकारी डॉक्टर की पत्नी थी। इससे पहले भी यहां एक महिला की स्वाइन फ्लू के कारण मौत हो चुकी है। इंदौर में यह एक माह में दूसरी मौत हुई है। जिस महिला की मौत हुई, वह शाजापुर की रहनी वाली थी और इलाज के लिए दस दिन से इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। पहले उसे सर्दी-जुकाम की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे सांस संबंधी समस्याएं होने लगीं। डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। स्वाइन फ्लू के अलावा वह कोविड से भी संक्रमित थी। नजदीकी लोगों के मुताबिक महिला में 28 अगस्त से बुखार, खांसी और सर्दी के लक्षण शुरू हुए थे। महिला की एच1एन1 जांच एक सितंबर को पॉजिटिव आई। इसके बाद उन्हें इंदौर में इलाज के लिए एडमिट कराया गया। वहीं, 2 सितंबर की रिपोर्ट में इन्फ्लुएंजा के साथ कोविड-19 भी पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी दी गई है।

महाराष्ट्र: भंडारा जिले में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और कार की जोरदार टक्कर

तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत

एजेंसी

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में आज शुक्रवार तड़के भयानक सड़क हादसा हुआ। ट्रक और स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल बोलेरो के बीच जोरदार टक्कार हुई। इस हादसे में तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा आज शुक्रवार, 11 सितंबर की सुबह 4 बजे लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच हुआ।

मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'एक बोलेरो गाड़ी आइशर ट्रक से टकरा गई। हादसे में बोलेरो में सवार आठ लोगों- पांच वयस्क और तीन बच्चों की मौत हो गई।' पुलिस ने बताया कि बोलेरो में सवार लोग

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से नेशनल हाईवे 53 के जरिए नागपुर आ रहे थे। सुबह 4 बजे करीब लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच गाड़ी की टक्कर ट्रक से हो गई। पुलिस ने बोलेरो में सवार आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

VIPs को छूट आम आदमी का घर सील

गरीबों के घरों पर ताला लगाने वाले वहीवटदार के दोहरे रवैये के खिलाफ लोगों में गुस्सा

इक्का क्लब पर 20.69 करोड़ का टैक्स बकाया होने के बावजूद AMC चुप

अहमदाबाद। एक बार फिर, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के भेदभाव वाले और विवादित काम के खिलाफ पूरे शहर में गुस्सा फूट पड़ा है। स्मार्ट सिटी होने का दावा करने वाली कॉर्पोरेशन पर अगर किसी आम नागरिक या छोटे बिजनेसमैन का सिर्फ एक साल का या थोड़ा सा भी प्रॉपर्टी टैक्स बकाया हो, तो कानून तुरंत प्रॉपर्टी सील कर देता है या पानी-ड्रेनेज कनेक्शन काट देता है। लेकिन दूसरी तरफ, शहर के कांकरिया में हाई-प्रोफाइल 'इक्का क्लब' (ट्रांसस्टेडिया) पर 20.69 करोड़ से ज़्यादा का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया होने के बावजूद स्ष्ट के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे हैं? क्या कानून सिर्फ गरीबों और आम जनता के लिए है? ऐसे मुश्किल सवाल अब अहमदाबाद के लोग पूछ रहे हैं। 20.69 करोड़ टैक्स बकायाः VIPs के खिलाफ AMC का कानून क्यों फेल हो गया? सूत्रों और मिली जानकारी के मुताबिक, कांकरिया में मौजूद ट्रांसस्टेडिया (ऐस क्लब) पर लंबे समय से करोड़ों रुपये का टैक्स बकाया है। इन करोड़ों रुपये की रिकवरी सालों से रुकी हुई है, फिर भी इस क्लब को सील करने के लिए प्रशासन की तरफ से कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है।

दोहरे मापदंड का खेलः जब किसी आम मिडिल क्लास नागरिक या छोटे दुकानदार पर टैक्स बकाया होता है, तो स्ष्ट की टीमें बिना कोई नोटिस दिए उसे सील करने के लिए दौड़ पड़ती हैं।

VIP कल्चरः लाखों-करोड़ों रुपये दबाए बैठे बड़े लोगों और क्लबों के खिलाफ टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी सिर्फ कागजी नोटिस भेजकर खुश हैं!

राजनीतिक आकाओं का हाथ या भ्रष्टाचार में मिलीभगत?

अब जनता और विपक्ष के बीच सनसनीखेज आरोप लग रहे हैं कि

1. क्या सत्ताधारी BJP के किसी बड़े नेता का ऐस क्लब में हाथ है?

2. क्या AMC कमिश्नर या टैक्स अधिकारी राजनीतिक दबाव और सेटिंग के कारण क्लब को सील करने की हिम्मत नहीं दिखा रहे हैं?

3. या करोड़ों रुपये के टैक्स सेटलमेंट के पीछे बड़े पैमाने पर करप्शन और कमीशन का खेल चल रहा है?

'अक्का क्लब को तुरंत सील करो' जनता की एडमिनिस्ट्रेशन को चुनौती इस तरह, अब जनता खुलकर मांग कर रही है कि कानून की नज़र में सब बराबर होने चाहिए। अगर आम लोगों से ब्याज के साथ जुर्माना वसूला जा रहा है, तो ?20.69 करोड़ के टैक्स के कर्ज में डूबे अक्का क्लब को तुरंत सील करके नीलामी के लिए क्यों नहीं रखा जा रहा है? अगर एडमिनिस्ट्रेशन ने आने वाले दिनों में इस मामले में कोई सख्त एक्शन नहीं लिया, तो AMC के कामकाज पर करप्शन का काला धब्बा और भी गहरा हो जाएगा और यह तय है कि जनता विरोध-प्रदर्शन करके कॉर्पोरेशन को घेर लेगी!

नगर पालिका और हाईवे अथॉरिटी की बड़ी लापरवाही के खिलाफ लोगों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। दुनिया भर में मशहूर टूरिस्ट जगह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाले मेन रोड पर डभोई के नादोड़ी बगोल से छेत्रालय तक स्टेट हाईवे पर पिछले एक हफ्ते से स्ट्रीट लाइट पूरी तरह से बंद हैं। करोड़ों की लागत से बने इस हाईवे पर रात में पूरी तरह अंधेरा रहने से लोकल लोगों और गाड़ी चलाने वालों को काफी परेशानी हो रही है। क्योंकि यह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने वाली मेन सड़क है, इसलिए यहां दिन-रात छोटी-बड़ी गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है। रात में स्ट्रीट लाइट गायब होने से गाड़ी चलाने वालों को दूसरी तरफ से आ रही गाड़ियां या सड़क के मोड़ दिखाई नहीं देते। जिससे गंभीर हादसों की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। लगता है प्रशासन किसी बड़े हादसे या किसी बेगुनाह की जान जाने का इंतजार कर रहा है। लोकल लोगों को असामाजिक तत्व परेशान और परेशान कर रहे हैं।हाईवे के आस-पास की सोसाइटियों और रिहायशी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए रात में घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए अंधेरे में घूमना खतरनाक साबित हो रहा है। लोकल लोगों में यह भी डर है कि असामाजिक तत्व इस अंधेरे का सीधा फायदा उठाकर चोरी या डकैती जैसी वारदातें कर सकते हैं। स्टेट हाईवे अथॉरिटी और लोकल नगर पालिका ने दिखावे के लिए लैंप पोस्ट तो लगा दिए, लेकिन उनकी ठीक से देखभाल करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। सोशल मीडिया और लोकल लेवल पर गुहार लगाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी टस से मस नहीं हो रहे हैं। लोकल प्रशासन की इस गैर-जिम्मेदाराना पॉलिसी के खिलाफ लोगों में बहुत गुस्सा और नाराजगी है। अगर जिम्मेदार अधिकारी अपनी गहरी नींद से नहीं जागे और इस इलाके की सभी बंद स्ट्रीट लाइटें तुरंत चालू नहीं कीं, तो लोकल लोगों और वाहन चालकों ने आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की धमकी दी है। समय की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द जागे और लोगों को इस जानलेवा अंधेरे से मुक्ति दिलाए।

बिना नंबर प्लेट वाली टाटा पंच से 1.59 लाख की विदेशी शराब ज़ब्त, कुल ज़ब्त कीमत 4.59 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा / डभोई। गुजरात में शराब बैन को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस सिस्टम एक्शन मोड में है, वहीं डभोई थाना इलाके से पुलिस ने शराब तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। खास जानकारी के आधार पर, पुलिस ने डभोई बीट-02 इलाके के सिंधियापुरा गांव के पास छापा मारा और बिना नंबर प्लेट वाली एक संदिग्ध कार से भारी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई पुलिस ने देर रात सिंधियापुरा गांव के पास कड़ी निगरानी रखी थी। इसी दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट वाली एक टाटा पंच फोर-व्हीलर को रोका जो संदिग्ध हालत में गुज़र रही थी। गाड़ी की अच्छी तरह तलाशी लेने पर कुल 624 भारत में बनी विदेशी शराब के क्वार्ट और बीयर के टिन मिले, जिनकी कीमत 1,59,024/- थी। पुलिस ने मौके से ?1,59,024/- कीमत की विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की है, साथ ही शराब की तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली 3,00,000/- कीमत की एक टाटा पंच कार भी ज़ब्त की है, जिसकी कुल कीमत 4,59,024/- है। गिरफ्तार आरोपियों और फरार शराब तस्करों की लिस्टपुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि इस काले शराब के धंधे में शामिल तीन अन्य आरोपी भागने में कामयाब रहे हैं गिरफ्तार आरोपीः रघुराजसिंह इंद्रसिंह राउलजी (उम्र 38, निवासी डेरोली दरबार फलियूं, ता. संखेड़ा, जिला छोटा उदयपुर) डभोई पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ शराबबंदी एक्ट की धारा 65, 81, और 98(2) के तहत केस दर्ज किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। वडोदरा शहर से मध्य प्रदेश तक फैले इस काले शराब नेटवर्क को खत्म करने के लिए, पुलिस ने तीन फरार शराब तस्करों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

24 घंटे में दूसरी हाई-प्रोफाइल FIR, मैनेजर के बाद अब डीलर भी आरोपी कटघरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। खेड़ा जिले के हेडक्वार्टर नाडियाड में पॉपुलर 'प्रोग्रेसिव टाटा शोरूम' का विवाद अब बहुत गंभीर और हाई-प्रोफाइल मोड़ ले चुका है। कस्टमर्स के साथ धोखे और फ्रॉड के इस मामले में, मैनेजर के खिलाफ सिर्फ 24 घंटे के अंदर दूसरी सख्त पुलिस कंप्लेंट दर्ज हुई है, जिससे पूरे इलाके और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, इस बार नाडियाड कोर्ट के जाने-माने वकील नीतिराज मिस्त्री फ्रॉड के जाल में फंस गए हैं। उनकी दर्ज कंप्लेंट के मुताबिक, शोरूम मैनेजर राजन जोशी ने उन्हें नई कार पर आकर्षक और भारी डिस्काउंट और उनकी पुरानी कार की सबसे अच्छी रीसेल कीमत का लालच दिया था। मैनेजर राजन जोशी ने वकील नीतिराज मिस्त्री की पुरानी कार आनंद के एक डीलर को ?8.60 लाख में बेची थी। लेकिन, इस बिक्री से मिले ?8.60 लाख की रकम को नई कार के अकाउंट में क्रेडिट करने या शिकायत करने वाले को देने के बजाय, मैनेजर ने खुद ही पूरी रकम हड़प ली।

डीलर और कर्मचारी के खिलाफ भी क्राइम रजिस्टरः बड़े स्कैम के सामने आने की संभावना

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि नई शिकायत में सिर्फ मैनेजर राजन जोशी ही नहीं, बल्कि टाटा प्रोग्रेसिव शोरूम के मेन डीलर और शोरूम के एक और कर्मचारी जिगर को भी ऑफिशियली आरोपी बनाया गया है। शोरूम के मेन डीलर का नाम भी सीधे FIR में शामिल किया गया है, जिससे यह पूरा मामला बेहद हाई-प्रोफाइल हो गया है। एक के बाद एक शिकायतें सामने आने से अब इस बात का पक्का शक है कि प्रोग्रेसिव शोरूम में कस्टमर्स की कारें और पैसे हड़पने का एक बड़ा ऑर्गेनाइज्ड स्कैम चल रहा था, जिसमें कई और विक्टिम सामने आ सकते हैं। पुलिस सिस्टम एक्शन मोड में नडियाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी जांच शुरू कर दी है। अब पूरा नडियाद देख रहा है कि पुलिस इन लोगों के खिलाफ क्या सख्त कार्रवाई करती है जिन्होंने ग्राहकों का भरोसा तोड़ा है और करोड़ों की गड़बड़ी की है।

CVM के रनक गर्ल्स हॉस्टल में स्टूडेंट्स को फ़ूड पॉइज़निंग, 25 से ज़्यादा मरीज़ हॉस्पिटल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विद्यानगर। विद्याधाम के नाम से मशहूर वल्लभ विद्यानगर में एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, कि कैसे पढ़ाई के नाम पर करोड़ों रुपये वसूलने वाले इंस्टीट्यूशन स्टूडेंट्स की सेहत के साथ भयानक खेल खेल रहे हैं। चारुतर विद्या मंडल के रनक गर्ल्स हॉस्टल में बासी और खराब खाना खाने से 25 से ज़्यादा मासूम स्टूडेंट्स फ़ूड पॉइज़निंग की गंभीर चपेट में आ गई हैं। गंभीर हालत में स्टूडेंट्स को तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में ले जाया गया, जिससे पूरे विद्यानगर और आणंद ज़िले के एजुकेशनल सर्कल में भारी हंगामा और गुस्सा फैल गया है।

देर रात बिगड़ी तबीयतः डायरिया, उल्टी और पेट में असहनीय दर्द से चीखने-चिल्लाने लगीं! मिली जानकारी के मुताबिक, शाम को हॉस्टल मेस में खाना परोसे जाने के बाद देर रात अचानक एक के बाद एक स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ने लगी। लक्षणः स्टूडेंट्स को अचानक पेट में बहुत ज़्यादा दर्द, लगातार उल्टी और चक्कर आने की शिकायत होने लगी।

अफरा-तफरी का माहौलः रात में हॉस्टल कैंपस में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात गंभीर होने पर, प्रभावित स्टूडेंट्स को तुरंत एम्बुलेंस और प्राइवेट गाड़ियों से हॉस्पिटल ले जाया गया।

इलाज करा रहे स्टूडेंट्सः अभी, 25 से ज़्यादा स्टूडेंट्स हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जहाँ उन्हें ग्लूकोज़ की बोतलें और इमरजेंसी मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। विद्यानगर के मशहूर CVM इंस्टीट्यूशन द्वारा चलाए जा रहे हॉस्टल में ऐसी घटना एडमिनिस्ट्रेशन की बड़ी लापरवाही दिखाती है। स्टूडेंट्स के मुताबिक, हॉस्टल मेस में अक्सर खराब क्वालिटी और बासी खाना दिया जाता है। इस बारे में पहले भी बताया गया था, लेकिन इंस्टीट्यूशन का दिल नहीं पसीजा। जो पेरेंट्स अपनी बेटियों को पढ़ने और सुरक्षित रहने के लिए भेजते हैं, वे हॉस्पिटल पहुँच गए हैं और ष्ट्क्रूमैनेजमेंट और मेस कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त से सख्त सज़ा की मांग कर रहे हैं।

सब्जी मंडी के पास 50 साल के परेश शाह की लाश बुरी हालत में मिली, पुलिस जांच ज़ोरों पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के दक्षिणी इलाके के व्यस्त और चहल-पहल वाले तरसाली इलाके में आज सुबह काफी अफरा-तफरी और सनसनी फैल गई। तरसाली चौकी के पास और सब्जी मंडी के सामने एक 50 साल के अधेड़ उम्र के आदमी की लाश संदिग्ध हालत में मिली, जिससे पूरे इलाके में काफी दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही लोकल पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर ज़ोरदार जांच शुरू कर दी। शुरू में, लाश किसी अनजान व्यक्ति की लग रही थी। लेकिन पुलिस ने आस-पास के लोगों से पूछताछ और टेक्निकल सर्विलांस के बाद मरने वाले की पहचान कर ली है **जगहः** तरसाली सब्जी मंडी के सामने, तरसाली पुलिस चौकी के पास, वडोदरा

मौत की वजहः अनसुलझी? पुलिस अलग-अलग दिशाओं में जांच कर रही है

50 साल के परेश शाह की बॉडी इस तरह से पब्लिक और भीड़-भाड़ वाली जगह पर मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं:

नेचुरल या सस्पेक्टेड? क्या यह मौत अचानक बीमारी या हार्ट अटैक से हुई या इसके पीछे कोई और क्रिमिनल साज़िश या सस्पेक्टेड मामला है? पुलिस ने बॉडी को अपने कब्ज़े में ले लिया है और उसे फॉरेंसिक PM (पोस्टमार्टम) के लिए भेजने का प्लान बना रही है। मौत की असली और खास वजह PM रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस आस-पास के कमर्शियल एरिया और सब्जी मंडी के CCTV फुटेज भी चेक कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि परेश शाह वहां कब और किस हालत में पहुंचा था। पक्को गुजरात से एक सीधा सवाल तरसाली सब्जी मंडी के पास, जहाँ दिन-रात गाड़ियों और लोगों की भीड़ लगी रहती है, एक अधेड़ उम्र के आदमी की लाश मिलना सुरक्षा और लोकल गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। क्या यह सिफ़ एक आम मौत है या इस घटना के पीछे कोई गहरा रहस्य छिपा है? पूरा वडोदरा शहर देख रहा है कि पुलिस जांच के आखिर में क्या चौंकाने वाले खुलासे होते हैं।

आउटसोर्सिंग एजेंसी 'सिक्योरशील्ड' के मैनेजर समेत 4 घूसखोर 95,000 रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सरकारी सेवाओं में आउटसोर्सिंग के नाम पर चल रहे काली कमाई और भ्रष्टाचार के काले कारोबार पर सबसे बड़ा हमला किया है. ESIC जनरल (सरकारी) अस्पताल में 11 महीने के अनुबंध आधारित पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती में नौकरी के बदले गरीब और जरूरतमंद अभ्यर्थियों से खुली लूट की जा रही थी. इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए CB ने डिकॉय ट्रैप लगाकर आउटसोर्सिंग एजेंसी के चार कर्मचारियों को रंगे हाथों पकड़ा है.

पकड़े गए रिश्वतखोर आरोपियों की सूची

1. **प्रमोद शंकर पांडे** – ऑपरेशन मैनेजर, सिक्योरशील्ड सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

2. **पंकज कुमार राजकुमार मिश्रा** – आउटसोर्सिंग एजेंसी रिप्रेजेंटेटिव

3. **प्रजाजन राजीवभाई कालिकाप्रसाद शुक्ला** – एजेंसी एम्प्लॉई

4. **जयेश कुमार धीरूभाई चौधरी** – एजेंसी एम्प्लॉई

मिली जानकारी के मुताबिक, आउटसोर्सिंग एजेंसी 'सिक्योरशील्ड सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' श्वस्ढ्ढष्ट जनरल हॉस्पिटल में कॉन्ट्रैक्ट पर पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती के लिए हर एम्प्लॉई से मोटी रिश्वत वसूल रही थी। जैसे ही यह चौंकाने वाली जानकारी तक पहुंची, तुरंत एक खास प्लान बनाया गया और एक 'फर्जी ऑपरेशन' ऑर्गनाइज़ किया गया। स फर्ज के दौरान, आरोपियों ने 95,000/- रुपये रिश्वत की मांग करते ही ACB टीम ने मौके पर ही चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कुल 21.57 लाख रुपये कैश ज़ब्त! आरोपियों के पकड़े जाने के बाद, ACB की कड़ी जांच में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो करोड़ों के घोटाले की ओर इशारा करते हैं ऑफिस से कैशः एजेंसी के ऑफिस में टेबल की तलाशी लेने पर 2,29,000 रुपये कैश मिले। ेटल के कमरे से काला धनः होटल के कमरे में ठहरे मुख्य आरोपी नंबर 1 (प्रमोद पांडे) और नंबर 2 (पंकज कुमार मिश्रा) के बैग में 19,29,900 रुपये का भारी कैश मिला। आउटसोर्सिंग के नाम पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी एजेंसियों के पीछे मास्टरमाइंड कौन है? क्या यह सिफ़ एक हॉस्पिटल तक सीमित है

नडियाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का घोटाला या जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नडियाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडमिनिस्ट्रेशन पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। शहर के वार्ड नंबर 8 में पंजाबी सोसाइटी से गीतांजलि तक मेन रोड को अचानक गिराने से पूरे इलाके में बड़ा विवाद और चर्चा छिड़ गई है। पहली नज़र में यह ऋष्टष्ट रोड, जो बहुत अच्छी और अच्छी क्वालिटी की लग रही थी, जिसे कुछ ही समय पहले करोड़ों/लाखों की लागत से तैयार किया गया था, उसे अचानक JCB मशीनों से गिराया जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में बहुत गुस्सा है। स्थानीय निवासियों और नागरिकों का एक ही सवाल है कि अगर यह सड़क टूटी नहीं थी और इसकी क्वालिटी भी अच्छी थी, तो म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इसे गिराने में इतनी जल्दी क्यों थी? क्या यह सिर्फ़ कॉन्ट्रैक्टर को फ़ायदा पहुँचाने के लिए जनता के टैक्स के पैसे की सीधी बर्बादी है? या यह बिना प्लान के डेवलपमेंट के नाम पर बेकार काम का एक और उदाहरण है? सड़क बनाने के लिए जनता की मेहनत की कमाई का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक तरफ नडियाद के कई इलाकों में टूटी-फूटी सड़कों से लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ एक तस्वीर सामने आई है कि नगर निगम के अधिकारी इस बात पर चुप हैं कि एक बिल्कुल अच्छी और नई RCC सड़क को तोड़ने के पीछे क्या राज है। स्थानीय लोग अब इस मामले को लेकर सदमे में हैं और नगर निगम के इस फैसले का कड़ा विरोध कर रहे हैं। अगर जल्द ही सही वजह नहीं बताई गई और जनता के पैसे की यह बर्बादी नहीं रोकी गई, तो आने वाले दिनों में यह झगड़ा और बढ़ने की पूरी संभावना है।

कागज़ पर 'खुशहाल गुजरात' और ज़मीन पर दुनिया बेहाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कच्छ। गुजरात के सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी गुजरात के ज़्यादातर इलाकों में भारी बारिश की वजह से आज भयानक और इमरजेंसी की स्थिति पैदा हो गई है। खेतों में खड़ी फसलें सूख गई हैं, पीने और सिंचाई का पानी खत्म हो रहा है और जानवरों के लिए चारा नहीं बचा है। इतनी गंभीर और भयानक कमी के बावजूद, कागज़ पर 'खुशहाल गुजरात' की तस्वीर दिखाने की शौकीन BJP सरकार कानूनों, गाइडलाइंस और सर्वे के साथ चालें चलकर अपनी ज़िम्मेदारी से भाग रही है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट श्री अमित चावड़ा ने विधानसभा में और प्रेस रिलीज़ के ज़रिए सरकार की असंवेदनशीलता पर ज़ोरदार हमले किए हैं।

112 से ज़्यादा तालुका में भयंकर सूखाः 31 अक्टूबर तक सर्वे का ड्रामा क्यों?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने विधानसभा में नियम 116 के तहत ज़रूरी सार्वजनिक महत्व के मामले पर बहस का नोटिस देकर तुरंत सूखा घोषित करने की ज़ोरदार मांग की थी।

सरकार की अपनी ही गाइडलाइंस का उल्लंघनः 'मुख्यमंत्री किसान सहाय योजना' के अनुसार, अगर लगातार 4 हफ़्ते तक बारिश नहीं होती है, तो इसे गंभीर माना जाता है और अगर 8 हफ़्ते तक बारिश नहीं होती है, तो इसे गंभीर सूखा माना जाता है। राज्य के 112 से ज़्यादा तालुका इस परिभाषा में आते हैं, फिर भी सरकार 31 अक्टूबर तक सर्वे करने के नाम पर समय बर्बाद कर रही है।

बिना सुरक्षा के किसानः साल 2020 से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद होने से, किसानों के पास फसल नुकसान के खिलाफ़ कोई बीमा सुरक्षा भी नहीं है। अमित चावड़ा ने सरकार के दोहरे मापदंड पर हमला करते हुए कहा कि सरकार बड़े उद्योगपतियों और डेटा सेंटर्स को रातों-रात करोड़ों रुपये की मंज़ूरी दे देती है। लेकिन जब पूरे देश का पेट भरने वाले किसान दिवालिया हो रहे हैं, तो सरकार के पास कोई फ़ैसला नहीं है! किसानों को सिर्फ़ बिजली देने की खोखली बातों से धोखा नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि ज़मीन में पानी का लेवल बहुत नीचे चला गया है। क्या कागज़ पर लिखे आंकड़े सरकार के लिए किसानों के आंसुओं से ज़्यादा कीमती हैं? जब 112 तालुकाओं में दुनिया तबाह हो रही है, तो सरकार 31 अक्टूबर तक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठी रहना चाहती है? अब समय आ गया है कि भाषण देना बंद किया जाए और ज़मीनी स्तर पर ठोस और नतीजे देने वाले राहत उपाय किए जाएं।

अहमदाबाद में क्राइम ब्रांच का बड़ा भंडाफोड़: हंसोल से 2.55 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर के एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हंसोल इलाके में शराब के अवैध काले कारोबार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। राज्य में शराबबंदी के सख्त क्रियान्वयन के बीच भी शराब तस्कर बिना किसी झिझक के शराब की तस्करी का हथकंडा अपना रहे हैं, वहीं क्राइम ब्रांच ने सटीक सूचना के आधार पर समर्थनगर के पास छापा मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। क्राइम ब्रांच टीम को खास सूचना मिली थी कि हंसोल के समर्थनगर के पास बड़े पैमाने पर विदेशी शराब की तस्करी हो रही है। सूचना मिलते ही टीम ने इलाके में नजर रखी और छापा मारा।

जब्त सामान: छापेमारी के दौरान 2.55 लाख रुपये कीमत की विदेशी शराब की बोतलें जब्त की गईं। मौके से 2,55,000/- ज़ब्त किए गए हैं।

क्राइम ब्रांच ने दोनों आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया है, प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस पेट्रोलिंग और लोकल नेटवर्क पर सवाल

हंसोल जैसे इलाके में, जो एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के ठीक नीचे है, इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी शराब कहाँ से आई और किसकी मदद से यह काला धंधा चल रहा था, यह एक बड़ा सवाल है। मुख्य सप्लायर कौन है? क्राइम ब्रांच अब दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है कि इतनी शराब कहाँ से लाई गई थी और अहमदाबाद में किसे सप्लाई की जानी थी। बूटलेगरों पर कार्रवाई: क्राइम ब्रांच के इस बड़े ऑपरेशन के बाद, लोकल बूटलेगरों और असामाजिक तत्वों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। एयरपोर्ट जैसे सेंसिटिव इलाके के पास गांधी के गुजरात में करोड़ों रुपये की शराब की तस्करी होने तक लोकल पुलिस क्या कर रही थी? क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचना और मुख्य मालिकों को सलाखों के पीछे डालना बहुत जरूरी है।

हमें 'चाह' होती है इसलिए हम दुखी होते हैं श्रेयांशप्रभ जी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। हमारे जीवन में दुख इसलिए होता है कि हमें चाह होती है। यदि चाह ना हो तो फिर दुख किस बात का। हमारी इच्छाएं अनंत है और हम परमात्मा की भक्ति छोड़ अपनी इच्छाओं की पूर्ति में ही लगे रहते हैं! परमात्मा के पास रहने से हमें वह मिल सकता है जो हमें इच्छाओं की पूर्ति में लगे रहने से कभी नहीं मिल सकता।' उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज जैन बगीचा स्थित नये हाल में संवत्सरी पर्व के चौथे दिन अपने नियमित प्रवचन में व्यक्त किए। मुनि श्री श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि व्यक्ति यदि क्रोध में रहता है तो वह किसी की नहीं सुनता। क्रोध व्यक्ति को अंधा और बहरा बना देता है। क्रोधी व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। परमात्मा के पास बैठने से शांति मिलती है। हम यदि अच्छे भाव से परमात्मा के पास जाते हैं तो हम मोक्ष भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम धर्म की बात रोज सुनते हैं किंतु उसे आचरण में नहीं ला पाते,यदि हम एक भी अंश आचरण में ला लें तो हमारा जीवन धन्य हो जाएगा। मुनि श्री श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि आप कितना भी पुरुषार्थ कर लो किंतु जो चीज आपको चाहिए,यदि उसका समय नहीं हुआ है तो आपको वह चीज नहीं मिल पाएगी । समय बलवान होता है। जो आपका कर्तव्य है,आप उसका पालन करें।

अहिंसा के पर्व पर हिंसा और नशे का कारोबार क्यों

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तुमड़ीबोड़। जैन धर्म के महान पर्व क्षमा पर्व (संवत्सरी) एवं गणेश विसर्जन के पावन अवसर पर मांस एवं शराब की दुकानों को पूर्णतः बंद रखने की मांग कांग्रेस नेता आकाश जैन ने छत्तीसगढ़ सरकार से की है। आकाश जैन ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने पूरी मानवता को अहिंसा, जीव दया, करुणा और क्षमा का महान संदेश दिया है। ऐसे पावन पर्व के दिन मांस और शराब की बिक्री जारी रहना धार्मिक भावनाओं के अनुरूप नहीं है। सरकार को समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए इन दिनों मांस एवं मदिरा की दुकानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा के संदेश को केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि सरकार के फैसलों में भी यह भावना दिखाई देनी चाहिए। क्षमा पर्व हमें सभी जीवों के प्रति दया, प्रेम, करुणा और क्षमा का भाव रखने की प्रेरणा देता है। कांग्रेस नेता आकाश जैन ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार से मांग की कि क्षमा पर्व एवं गणेश विसर्जन के दिन प्रदेश में सभी मांस एवं शराब की दुकानें पूर्णतः बंद रखने का आदेश जारी किया जाए। साथ ही उन्होंने क्षमा पर्व के अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित करने की भी मांग की, ताकि जैन समाज सहित सभी लोग इस पावन पर्व को श्रद्धा, संयम और धार्मिक भावनाओं के साथ मना सकें। आकाश जैन ने कहा कि सरकार यदि अहिंसा, जीव दया और सामाजिक सद्भाव की भावना का सम्मान करती है, तो इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर समाज की भावनाओं का सम्मान करे।

ACB ने इनकम से ज़्यादा संपत्ति जमा करने वाले 5 सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। भ्रष्टाचार पर एंटी-करप्शन ब्यूरो ने आंखें मूंद ली हैं। राज्य के पांच सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ इनकम से ज़्यादा आय से ज़्यादा संपत्ति रखने का केस दर्ज किया गया है और सबूत इकट्ठा करने के बाद कानूनी कार्रवाई की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस लिस्ट में ऑफिस के एक जनरल क्लास-4 कर्मचारी (चपरासी) के पास भी 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा की आय से ज़्यादा संपत्ति पाई गई है! इस घटना ने साबित कर दिया है कि भ्रष्टाचार का दुष्चक्र नीचे से ऊपर तक कितना गहरा हो गया है। अपने बंगले, कार और बैंक बैलेंस बढ़ाने के लिए सरकारी खजाने और जनता के पैसे को लूटने वाले अधिकारी अब ACB की नज़र में हैं। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह कोई बड़ा अधिकारी हो या क्लास-4 कर्मचारी।

जनता के लिए ज़रूरी मैसेज

अगर आपके इलाके में कोई सरकारी अफ़सर या कर्मचारी या जान-पहचान वाला अपनी सरकारी इनकम से ज़्यादा लग्ज़री लाइफस्टाइल जी रहा है, अचानक बड़ी प्रॉपर्टी खरीद रहा है या उसके पास कोई संदिग्ध संपत्ति है, तो बिना किसी डर के ACB को बताएं। आपकी एक सच्ची जानकारी गुजरात को करप्शन-फ्री बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। गोपनीयता पूरी तरह से बनाए रखी जाएगी।

सरकारी ग्रांट से प्राइवेट होटलों में टॉयलेट मंजूरी देने वाले TDO खुद करेंगे जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। संखेड़ा तालुका में सरकारी पैसे और जनता के टैक्स के पैसे का कैसे गलत इस्तेमाल हो रहा है, इसका एक चौंकाने वाला और बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। संखेड़ा तालुका में आने वाले गोलागामडी चार रास्ता के पास एक प्राइवेट होटल के कंपाउंड में सरकारी ग्रांट का इस्तेमाल करके टॉयलेट बनाया गया है। गांव के गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के लिए मिली ग्रांट का इस्तेमाल एक प्राइवेट होटल मालिक को पैसे का फ़ायदा पहुंचाने के लिए किए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पूरे ज़िला प्रशासन में भारी हंगामा मच गया है। जिसने करप्शन की मंजूरी दी, वही अब इन्वेस्टिगेटर: निष्पक्ष जांच पर बड़ा सवाल

इस पूरे स्कैम में सबसे मज़ेदार और चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि टॉयलेट बनाने के लिए संखेड़ा के तालुका डेवलपमेंट ऑफिसर से मंजूरी ली गई थी, अब इस करप्शन की जांच का ऑर्डर भी उसी TDO को सौंप दिया गया है! क्या जिस ऑफिसर ने अपने साइन से सरकारी पैसे को प्राइवेट प्रॉपर्टी में इस्तेमाल करने की हरी झंडी दी, वह कभी अपनी गलती या करप्शन मानेगा? जब मंजूरी देने वाला ही इन्वेस्टिगेटर बन जाएगा, तो साफ़ है कि यह कार्रवाई सिर्फ़ कागज़ पर लिखी किताब तक ही सीमित रहेगी। इस फ़ैसले को लेकर लोकल लोगों और बुद्धिजीवियों में काफ़ी गुस्सा है और इसे 'चोर के हाथ में तिजोरी की चाबी' देने जैसा बताया जा रहा है।

सरकारी किताबों पर डेवलपमेंट और ज़मीन पर प्राइवेट मालिक मज़े ले रहे हैं

गांवों में पब्लिक टॉयलेट न होने से आम लोग नाराज़ हैं, वहीं दूसरी तरफ़, अधिकारियों और लोकल नेताओं की मिलीभगत से सरकारी खर्चे पर प्राइवेट प्रॉपर्टी को सजाया जा रहा है। गोलागामडी चार सड़कों से रोज़ हज़ारों लोग गुज़रते हैं, लेकिन आम लोगों की सुविधाओं का पैसा होटल मालिकों को दे दिया गया है। ग्रांट का खुला गलत इस्तेमाल: क्या सरकारी खजाने का पैसा प्राइवेट होटल कस्टमर्स की सुविधाएं बढ़ाने के लिए दिया गया?

जांच में बड़ी सेटिंग: जो TDO बिना अधिकारी की मंजूरी के एक भी रुपया जारी नहीं करता, वह अपने खिलाफ़ निष्पक्ष जांच कैसे करेगा?

हाई-लेवल जांच कब होगी?: इस घोटाले को करने वाले होटल मालिक, भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ़ कानूनी FIR कब दर्ज होगी और रिकवरी कब होगी?

अवैध विकास के विरूद्ध नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की सख्त कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अनधिकृत विकास एवं अवैध कॉलोनी निर्माण के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग राजनांदगांव द्वारा ग्राम कौरिनभाठा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 330/6, रकबा 0.1980 हेक्टेयर में किए गए अनधिकृत विकास कार्य के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए मार्ग संरचना एवं नाली को जेसीबी मशीन से हटाया गया। उक्त भूमि के भूमि स्वामी जुनी हटरी राजनांदगांव निवासी अहमद रजा पिता श्री रियाज अहमद द्वारा एकल खिड़की प्रणाली के अंतर्गत कॉलोनी विकास की अनुमति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कार्यालयीन परीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित भूमि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की भूमि से लगी हुई है। हाउसिंग कॉलोनी की सुरक्षा की दृष्टि से हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित बाउंड्रीवाल के कारण प्रस्तावित स्थल तक पहुंच मार्ग उपलब्ध नहीं था। हाउसिंग बोर्ड द्वारा भी कार्यालयीन पत्र के माध्यम से इस संबंध में विभाग को अवगत कराया गया था। मार्ग की उपलब्धता नहीं होने के कारण कॉलोनी विकास अनुमति के लिए प्रस्तुत आवेदन निरस्त कर दिया गया था। स्थल निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित बाउंड्रीवाल को तोड़कर संबंधित स्थल पर सीसी सड़क एवं नाली का निर्माण करते हुए अनधिकृत रूप से विकास कार्य किया गया है। इस पर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा पूर्व में छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 37 की उपधारा (6) के खंड (क) एवं (ख) के अंतर्गत भूमि स्वामी के विरूद्ध नोटिस जारी किया गया। नोटिस के माध्यम से 15 दिवस की अवधि में किए गए अनधिकृत विकास कार्य को हटाकर स्थल को पूर्व स्थिति में लाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित अवधि में संबंधित पक्ष द्वारा न तो अनधिकृत विकास कार्य हटाया गया और न ही कोई लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग राजनांदगांव द्वारा आज 11 सितम्बर 2026 को स्थल पर किए गए अनधिकृत विकास कार्य बुलडोजर चलाकर निर्मित मार्ग संरचना एवं नाली को हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही स्थल पर आमजन की सूचना के लिए सूचना बोर्ड भी चस्पा किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अनधिकृत विकास एवं अवैध कॉलोनी निर्माण के विरूद्ध कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भूमि पर कॉलोनी अथवा अन्य विकास कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक विकास अनुमति प्राप्त करना सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में होने वाली कार्रवाई एवं असुविधा से बचा जा सके।

'रामसंस' ब्रांड का मिलावटी घी लोगों के पेट में ज़हर घोल रहा था, 555 kg ज़ब्त

अहमदाबाद में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सर्जिकल स्ट्राइक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ और फ़ूड डिपार्टमेंट ने उन एंटी-सोशल व्यापारियों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की है जो खुलेआम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं और गंदगी फैला रहे हैं। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के बिज़ी मधुपुरा इलाके से 'रामसंस' ब्रांड का 555 ढ़द और नकली और घटिया घी ज़ब्त किया है।

लैबोरेटरी रिपोर्ट से पता चला: 'रामसंस' घी खाने लायक नहीं है और फेल हो गया!

इससे पहले, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पब्लिक हेल्थ लैब ने 'रामसंस' ब्रांड के घी के सैंपल लिए थे। इन सैंपल की डिटेल्ड जांच के बाद जो रिपोर्ट आई, उसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ। यह घी पूरी तरह से नकली, मिलावटी और इंसानी शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। रिपोर्ट फेल होते ही,स्ष्ट टीम ने बिना समय गंवाए रेड की और यह जानलेवा क्वांटिटी ज़ब्त कर ली।

पब्लिक हेल्थ से छेड़छाड़ करने वालों पर कानून लागू होगा

मुनाफे के लिए लोगों की जान जोखिम में डालने वाले सट्टेबाजों और व्यापारियों के खिलाफ,स्ष्ट का यह सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि

ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी: अब मिलावटी खाने का तेल, घी या मावा बेचने वालों पर न सिर्फ जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि दुकानें सील करने तक की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गंदगी और गंदगी पर हमला: पब्लिक हेल्थ से खिलवाड़ करने वाले और बिजनेस की जगह पर गंदगी फैलाने वाले किसी भी व्यापारी को बख्शा नहीं जाएगा। मधुपुरा में हुई इस कार्रवाई के बाद शहर भर में मिलावटी सामान बेचने वाले व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। AMC के फूड डिपार्टमेंट ने साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में शहर के हर कोने में ऐसे इंस्पेक्शन सेशन तेज किए जाएंगे। जनता के पेट में जहर घोलने वाले ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई की तलवार लटकती रहेगी।

खाकी जल उठी है! पांडेसरा पुलिस स्टेशन के गेट पर ही एक वकील पर जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। कानून-व्यवस्था की स्थिति कैसे बिगड़ गई है, इसका जीता-जागता उदाहरण पांडेसरा इलाके में देखने को मिला है। न्याय के लिए लड़ रहे जाने-माने वकील कौशल मिश्रा पर कुछ बेशर्म और असामाजिक तत्वों ने पांडेसरा पुलिस स्टेशन के गेट पर ही जानलेवा हमला कर दिया। दिन-दहाड़े, पुलिस स्टेशन के बिल्कुल पास हुई इस घटना ने पूरे सूरत शहर को झकझोर कर रख दिया है। वकील पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले के बाद सूरत बार एसोसिएशन और पूरे कानूनी समुदाय में गुस्से की लहर दौड़ गई है। पुलिस का विवादित रोल: अपराधियों को बचाने में आनाकानी, शिकायत दर्ज करने में हीलाहवाली इस पूरी घटना में सबसे शर्मनाक और चौंकाने वाली बात पुलिस सिस्टम का संदिग्ध काम रहा है। हमले के बाद, जब पीड़ित वकील कौशल मिश्रा घायल हालत में अपनी शिकायत दर्ज कराने पांडेसरा पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो कानून के रखवालों ने उन्हें इंसाफ दिलाने के बजाय असामाजिक तत्वों का बचाव करना शुरू कर दिया। गंभीर आरोप है कि पुलिस अधिकारियों ने जुर्म दर्ज करने में आनाकानी की और बेशर्म तत्वों को बचाने की खराब कोशिश की। वकीलों ने गुस्सा जताया कि पुलिस के इस रवैये से अपराधियों का हौसला बढ़ रहा है।

कानूनी समुदाय की एकता की जीत: हंगामे और भारी विरोध के आगे खाकी वर्दी झुकी, आखिरकार FIR दर्ज हुई

जैसे ही पुलिस स्टेशन में हो रहे इस पक्षपाती व्यवहार की खबर जंगल में आग की तरह फैली, सूरत के सैकड़ों वकील एकजुट होकर पांडेसरा पुलिस स्टेशन पहुंच गए। वकीलों की एसोसिएशन ने पुलिस स्टेशन को घेर लिया और भारी घेराव किया और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। वकीलों की मज़बूत एकता, ज़बरदस्त गुस्से और कानूनी दबाव के आगे आखिरकार पांडेसरा पुलिस को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसे झुकना पड़ा। पुलिस ने वकील कौशल मिश्रा की शिकायत के आधार पर हमलावरों के खिलाफ़ केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस सुरक्षा पर सवाल: अगर वकील खाकी वर्दी वालों की नाक के नीचे और पुलिस स्टेशन के दरवाज़े पर सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता अपनी सुरक्षा के लिए किस पर भरोसा करे अपराधियों के साथ मिलीभगत कब तक चलेगी? हमलावर असामाजिक तत्वों को बचाने की कोशिश करने वाले और शिकायत दर्ज करने में आनाकानी करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ़ डिपार्टमेंटल जांच और हाई लेवल से सख्त कार्रवाई कब होगी?

हंसोल से 2.55 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त, दो शराब तस्कर सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर के एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले हंसोल इलाके में शराब के अवैध काले कारोबार पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। राज्य में शराबबंदी के सख्त क्रियान्वयन के बीच भी शराब तस्कर बिना किसी झिझक के शराब की तस्करी का हथकंडा अपना रहे हैं, वहीं क्राइम ब्रांच ने सटीक सूचना के आधार पर समर्थनगर के पास छापा मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। क्राइम ब्रांच टीम को खास सूचना मिली थी कि हंसोल के समर्थनगर के पास बड़े पैमाने पर विदेशी शराब की तस्करी हो रही है। सूचना मिलते ही टीम ने इलाके में नजर रखी और छापा मारा। छापेमारी के दौरान 2.55 लाख रुपये कीमत की विदेशी शराब की बोतलें जब्त की गईं। मौके से 2,55,000/- ज़ब्त किए गए हैं। क्राइम ब्रांच ने दोनों आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया है, प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया हक्राइम ब्रांच ने दोनों आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया है, प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हंसोल जैसे इलाके में, जो एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के ठीक नीचे है, इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी शराब कहाँ से आई और किसकी मदद से यह काला धंधा चल रहा था, यह एक बड़ा सवाल है। मुख्य सप्लायर कौन है? क्राइम ब्रांच अब दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है कि इतनी शराब कहाँ से लाई गई थी और अहमदाबाद में किसे सप्लाई की जानी थी। एयरपोर्ट जैसे सेंसिटिव इलाके के पास गांधी के गुजरात में करोड़ों रुपये की शराब की तस्करी होने तक लोकल पुलिस क्या कर रही थी? क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचना और मुख्य मालिकों को सलाखों के पीछे डालना बहुत जरूरी है।

भाजपा प्रत्याशी और पोलिंग एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज मतदान के दौरान वोटर पर दबाव डालने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। नगर परिषद चुनाव के दौरान वार्ड संख्या-33 के राजेन्द्र नगर स्थित सरकारी स्कूल में बने मतदान केंद्र पर मतदान को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे ने भाजपा प्रत्याशी जयसिंह और उनके पोलिंग एजेंट डूंगराराम देवासी पर मारपीट करने का आरोप लगाया। पवन दवे की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे का आरोप है कि बुधवार दोपहर मतदान के दौरान भाजपा प्रत्याशी की ओर से एक महिला का फर्जी वोट डलवाने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने मतदान कक्ष में मतदाताओं पर दबाव बनाए जाने की आशंका जताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। दवे के अनुसार, वह पूरे घटनाक्रम की जानकारी कोतवाली थानाधिकारी रामेश्वरलाल भाटी को दे रहे थे। इसी दौरान भाजपा प्रत्याशी जयसिंह और उनके पोलिंग एजेंट डूंगराराम देवासी पीछे से वहां पहुंचे। दवे ने आरोप लगाया कि डूंगराराम ने उनका हाथ पकड़ लिया, जबकि जयसिंह ने उन्हें जमीन पर गिराकर मारपीट की। घटना के विरोध में कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे और कुछ कार्यकर्ता बुधवार देर रात एसपी बंगले के बाहर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया। बाद में पुलिसकर्मी उन्हें वाहन में बैठाकर कोतवाली थाने ले गए। मामले की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुखराज पाराशर सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी कोतवाली पहुंचे। इसके बाद पवन दवे की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने भाजपा प्रत्याशी जयसिंह और उनके पोलिंग एजेंट डूंगराराम देवासी के खिलाफ मामला दर्ज किया। बताया गया कि वार्ड-33 का मतदान केंद्र संवेदनशील माना जा रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे दो महिलाएं और एक युवक मतदान के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान मतदान कक्ष में भाजपा प्रत्याशी और उनके पोलिंग एजेंट की मौजूदगी को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया।

जयसिंह
वार्ड-33 भाजपा प्रत्याशी

श्री रंगविजय मंच छात्रों के लिए समर्पित, 10 लाख की लागत से हुआ निर्माण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को विद्यार्थियों के लिए नवनिर्मित 'श्री रंगविजय मंच' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। करीब 10 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए इस मंच का लोकार्पण आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने किया। मंच का निर्माण भामाशाह विमल कुमार नथमल जैन परिवार की ओर से करवाया गया है। विद्यालय में मंच के निर्माण से विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार 'श्री रंगविजय मंच' का उपयोग विद्यार्थियों की नियमित प्रार्थना सभा के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भाषण प्रतियोगिताओं, शारीरिक करतब और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। इससे विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने में सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए भी एक उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा। लोकार्पण समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने मंच निर्माण के लिए भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया।

सिरोही में 34 वार्डों के लिए मतदान जारी, दोपहर 3 बजे तक 49.20 फीसदी मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। नगर परिषद क्षेत्र में शहर की सरकार चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान जारी है। नगर परिषद के कुल 34 वार्डों में 34 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ, जो शाम 6 बजे तक चलेगा। चुनाव में कुल 110 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। नगर परिषद क्षेत्र के 35 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान शुरू होने के साथ ही कई केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें देखने को मिलीं। नगर परिषद क्षेत्र में कुल 35,156 मतदाता हैं। इनमें 17,662 पुरुष और 17,494 महिला मतदाता शामिल हैं। सभी 34 वार्डों के लिए 34 मतदान केंद्र और 34 मतदान बूथ बनाए गए हैं। मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान कर रहे हैं। सुबह 7 बजे शुरू हुए मतदान के बाद दोपहर 3 बजे तक सिरोही नगर परिषद क्षेत्र में 49.20 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। इससे पहले दोपहर 1 बजे तक 38 फीसदी मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। मतदान शाम 6 बजे तक जारी रहने के कारण मतदान प्रतिशत में और बढ़ोतरी की संभावना है। मतदान के दौरान सिरोही नगर परिषद के वार्ड संख्या 12 में कांग्रेस प्रत्याशी साजिद शान और उनके चचेरे भाई बाबू खान के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

अजमेर में मतदान के दौरान अव्यवस्थाओं और विवादों ने बढ़ाई हलचल, बिना पहचान पत्र पहुंचीं कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। नगर निगम चुनाव के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान शहर के कई मतदान केंद्रों पर अव्यवस्थाएं और विवाद सामने आए। कहीं पहचान पत्र को लेकर मतदाता को परेशानी हुई तो कहीं मतदान को लेकर शिकायतें सामने आईं। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं में भी खामियां देखने को मिलीं। हालांकि, इन सबके बीच बड़ी संख्या में मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ग्रेस की विधानसभा प्रत्याशी रह चुकीं द्रौपदी कोली मतदान करने के लिए बिना पहचान पत्र के मतदान केंद्र पहुंचीं। वहां मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बिना पहचान पत्र के मतदान करने की अनुमति नहीं दी और उन्हें वापस लौटना पड़ा। कुछ देर बाद वह मोबाइल में अपना पहचान पत्र दिखाकर मतदान केंद्र पहुंचीं, जिसके बाद उन्हें वोट डालने दिया गया। इस घटनाक्रम के चलते मतदान केंद्र पर कुछ देर के लिए चर्चा का माहौल बना रहा। अजमेर नगर निगम के वार्ड संख्या 79 में कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र शर्मा ने मतदान को लेकर गंभीर आरोप लगाया। उनका कहना था कि वर्षों के नाम पर किसी दूसरे व्यक्ति ने मतदान कर दिया। शिकायत के बाद उन्होंने प्रशासन के समक्ष मामला उठाया। प्रशासन की ओर से शाम को मतदान करवाने की बात कहे जाने की जानकारी सामने आई।वृंदावन स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर दिव्यांगों और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी, लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के मौके पर नहीं पहुंचने के कारण परिजनों को स्वयं बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक ले जाना पड़ा। इसी मतदान केंद्र पर भाजपा प्रत्याशी पर मतदान केंद्र में प्रवेश कर माहौल खराब करने का आरोप भी लगाया गया। मतदान के प्रति लोगों के उत्साह का एक भावुक दृश्य भी सामने आया। एक बेटा अपनी 95 वर्षीय मां को गोद में लेकर मतदान केंद्र पहुंचा, ताकि वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें। इस दृश्य ने मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों का ध्यान खींचा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने भी मतदान किया।

महावीर जी मंदिर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

महावीर जी मंदिर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित, दोनों पक्षों को 8 दिन में लिखित बहस दाखिल करने के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करौली। राजस्थान के करौली स्थित प्रसिद्ध श्री महावीर जी जैन मंदिर के प्रबंधन और संचालन को लेकर श्वेतांबर और दिगंबर जैन संप्रदायों के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने दोनों पक्षों को आठ दिन के भीतर अपनी लिखित बहस दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

धार्मिक भावनाओं को लेकर अदालत ने जताई चिंता

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की धार्मिक संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों पक्षों से बेहद सावधानी बरतने की अपील की। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने दोनों पक्षों से मुकदमेबाजी समाप्त करने की दिशा में सोचने को कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या दोनों संप्रदाय अलग-अलग समय पर अपने तरीके से पूजा और धार्मिक अनुष्ठान कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि यह अत्यंत नाजुक विषय है और किसी भी पक्ष की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

पूजा स्थल में बदलाव की मांग नहीं: दीवान

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने दलील दी कि मामले में पूजा स्थल में परिवर्तन की कोई मांग नहीं की गई है। इसलिए पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 इस विवाद पर लागू नहीं होता। उन्होंने अदालत के समक्ष कहा कि मामला मंदिर के पूजा स्थल को बदलने का नहीं, बल्कि पूरे जैन समुदाय के हित में मंदिर के प्रबंधन और संचालन से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ता दिगंबर समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर्यमा सुंदरम ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय को इस मामले में अपील पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए थी। उनका कहना था कि 1991 के कानून के तहत कार्यवाही समाप्त हो चुकी थी और इस कानून में अपील का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में दूसरे पक्ष को रिट याचिका के माध्यम से अदालत का रुख करना चाहिए था। दिगंबर समिति की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि मूर्ति, मंदिर और उससे जुड़ी संपत्तियों का नियंत्रण, कब्जा और प्रबंधन दिगंबर जैन संप्रदाय के पास ही रहा है। इसी आधार पर समिति की ओर से मंदिर के वर्तमान प्रबंधन को लेकर अपना पक्ष रखा गया। ह कानूनी विवाद राजस्थान सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1959 की धारा 40 के तहत दायर एक आवेदन से शुरू हुआ था। इसमें मंदिर का प्रबंधन संभाल रही प्रबंधकारिणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष और सचिव को हटाने तथा श्वेतांबर संप्रदाय की नई प्रबंधन समिति गठित करने की मांग की गई थी। अब दोनों पक्षों की लिखित बहस दाखिल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है। अदालत की ओर से दिए गए निर्देश के बाद इस धार्मिक और कानूनी विवाद में अगला महत्वपूर्ण चरण दोनों पक्षों की लिखित दलीलों का होगा।

राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, अलवर में तेज बारिश; 12 सितंबर को 22 जिलों में यलो अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार दोपहर बाद अलवर में मौसम अचानक बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। वहीं जयपुर में भी शाम के समय कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से प्रदेश में बारिश का दौर फिर शुरू हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में बारिश का यह दौर 15 सितंबर तक जारी रह सकता है।

22 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने 12 सितंबर को राजस्थान के 22 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। इससे पहले पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से साफ रहा। गुरुवार को अधिकांश शहरों में दिनभर तेज धूप रही, जिसके चलते तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रदेश के 10 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। बारिश का दौर थमने के कारण दिन के समय गर्मी का असर भी बढ़ गया था। गुरुवार को प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी पिलानी में दर्ज हुई। झुंझुनूं जिले के पिलानी में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रहा। कई अन्य शहरों में भी तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में गुरुवार सुबह से देर शाम तक आसमान साफ रहा। दिनभर तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान में करीब एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई और यह 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि शुक्रवार शाम को शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग ने जयपुर में 12 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है।

24 सितंबर तक सामान्य से ऊपर रह सकता है तापमान

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने प्रदेश में अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी करते हुए 24 सितंबर तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना जताई है। इसके साथ ही पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। ऐसे में प्रदेश में एक ओर बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं, वहीं दूसरी ओर कई इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की स्थिति भी बनी रह सकती है। मानसून की दोबारा सक्रियता से बारिश की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को राहत मिलने की संभावना है।

पाली में मतदान के बीच हादसे और विवाद, फालना में बूथ रिलीवर ने की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पाली नगर निगम सहित जिले की पांच नगर पालिकाओं सुमेरपुर, बाली, सादड़ी, खुडाला-फालना और तखतगढ़ में शुक्रवार को सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। शाम 6 बजे तक चलने वाले मतदान में पाली नगर निगम और पांच नगर पालिकाओं के कुल 751 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला मतदाता करेंगे। इनमें सबसे ज्यादा 244 प्रत्याशी पाली नगर निगम के 65 वार्डों से चुनाव मैदान में हैं, जबकि सबसे कम 74 प्रत्याशी बाली नगर पालिका में हैं। फालना में मतदान के दौरान उस समय माहौल गमगीन हो गया, जब बूथ रिलीवर के रूप में ड्यूटी कर रहे 25 वर्षीय दिनेश पुत्र पन्नालाल ने बूथ से घर जाने के बाद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और वे बूथ के बाहर धरने पर बैठ गए। आक्रोशित लोगों ने रास्ता भी जाम कर दिया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिनेश को धमकाया गया था और इसी से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। मामले को लेकर क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया। इधर अपने भाई के साथ बाइक पर बैठकर जोधपुर मतदान करने जा रही सोफिया की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की जानकारी सामने आने के बाद परिवार और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। पाली शहर और फालना में मतदान शुरू होने से पहले जांच के दौरान ईवीएम में तकनीकी समस्या सामने आई। पाली के वार्ड संख्या 32 स्थित धोला चोतरा बिजली घर मतदान केंद्र पर जांच के दौरान ईवीएम का एसडीएमएम कार्ड काम नहीं कर रहा था। मतदान शुरू होने से पहले ही टीम ने मशीन बदल दी। इसी तरह खुडाला-फालना नगर पालिका के वार्ड संख्या 8 के श्री पार्श्वनाथ उम्मेद उच्च माध्यमिक विद्यालय मतदान केंद्र पर भी जांच के दौरान एसडीएमएम कार्ड में तकनीकी समस्या मिली, जिसके बाद ईवीएम बदल दी गई। मतदान केंद्रों पर युवा मतदाताओं में भी उत्साह देखने को मिला। पाली के वार्ड 39 की मंगला दवे अपनी पांच सहेलियों के साथ वीडी नगर स्थित चीमा बाई संचेती स्कूल मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने मतदान को अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी बताया। वहीं 105 वर्षीय बुजुर्ग दादी को उनका पोता मतदान करवाने लेकर पहुंचा। एक बेटी भी अपने पिता को मतदान करवाने मतदान केंद्र लेकर आई। जिले के छह निकायों में शुरुआती मतदान प्रतिशत में तखतगढ़ नगर पालिका सबसे आगे रही। यहां 32.17 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि पाली नगर निगम में सबसे कम 19.14 प्रतिशत मतदान हुआ। पाली के पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने आदर्श नगर मतदान केंद्र पर मतदान किया और आमजन से भी अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की।

चुनाव हो गया, अब चलो बाड़े में प्रत्याशियों की खरीद-फरोख्त के डर से शुरू हुई बाड़ेबंदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। चुनाव खत्म होते ही अब नेताओं और प्रत्याशियों की नई यात्रा शुरू हो गई है–बाड़े की यात्रा। आमतौर पर बाड़े में भेड़-बकरियों को बंद किया जाता है, लेकिन जब मामला खरीद-फरोख्त और चोरी-चकारी के डर का हो तो सियासत में प्रत्याशियों के लिए भी बाड़ेबंदी जरूरी मानी जाने लगी है। मतदान खत्म होते ही पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों को सुरक्षित रखने के इंतजाम तेज कर दिए हैं। कलयुग की राजनीति में जब से नेताओं और प्रत्याशियों की खरीद-बिक्री का चलन चर्चा में आया है, तब से बाड़ेबंदी भी चुनावी राजनीति का जरूरी हिस्सा बन गई है। मतदान खत्म होते ही पार्टियां अपने प्रत्याशियों को घरों से उठाकर बसों में बैठा देती हैं। इसके बाद बिना दूल्हे की यह बारात होटल या किसी दूरस्थ पर्यटन स्थल की ओर रवाना हो जाती है। यहां प्रत्याशी तब तक मौज-मस्ती करते हैं, जब तक नगर निकाय में बोर्ड बनने की स्थिति साफ नहीं हो जाती। बाड़ेबंदी की सबसे खास बात यह है कि प्रत्याशियों को मोबाइल फोन से भी दूरी बनानी पड़ती है। फोन अगर हाथ में रहा तो दूसरे खेमे से संपर्क होने का खतरा बना रहता है। आजकल फोन से ऑनलाइन खरीदारी तक हो जाती है, ऐसे में सियासी खरीद-फरोख्त के डर से मोबाइल ही बैन कर देना ज्यादा सुरक्षित समझा जाता है। यानी प्रत्याशी बाड़े में और मोबाइल बाहर! राजस्थान में पहले चरण का मतदान खत्म होते ही राजनीतिक दल बाड़ेबंदी की तैयारियों में जुट गए। बांसवाड़ा और अलवर से प्रत्याशियों को अज्ञात स्थानों पर ले जाने की जानकारी सामने आई। चित्तौड़गढ़ में महिला प्रत्याशियों को अपने परिवार के सदस्यों को साथ ले जाने की छूट दी गई। प्रत्याशियों को बस में बैठाकर बाकायदा गिनती की गई और जब संख्या पूरी होने की तसल्ली हुई, तभी बस को आगे रवाना किया गया।

बाड़मेर में प्रत्याशी को उठाने की कोशिश

अधिकतर जगहों पर बाड़ेबंदी प्रेमपूर्वक हुई, लेकिन बाड़मेर में मामला कुछ ज्यादा ही दिलचस्प हो गया। यहां प्रत्याशी पारसमल आराम से अपने घर में बैठे थे कि अचानक एक कार पहुंची और उन्हें उठाकर कार में बैठाने की कोशिश की गई। समर्थकों को जैसे ही इसकी भनक लगी, उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पारसमल को बचाया और उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर थाने ले जाने लगी। लेकिन समर्थकों को डर हुआ कि कहीं पुलिस भी प्रत्याशी को थाने की बजाय किसी दूसरे बाड़े में न पहुंचा दे। इसके बाद पुलिस और लोगों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कुछ लोग पुलिस की गाड़ी के स्टीयरिंग तक पहुंच गए और उसे रोकने की कोशिश करने लगे। आखिरकार एएसआई ने मोर्चा संभाला और बड़ी मुश्किल से प्रत्याशी को सुरक्षित वहां से निकालकर ले गए। बाड़मेर की राजनीति में कांग्रेस के दो गुट होने की चर्चा है। ऐसे में चुनाव जीतने वाले प्रत्याशियों को अपने-अपने खेमे में रखने और बोर्ड गठन के समय समर्थन जुटाने को लेकर खींचतान की संभावना जताई जा रही है। यही वजह है कि चुनावी नतीजों से पहले ही प्रत्याशियों की सुरक्षा सियासी दलों की प्राथमिकता बन गई है। अब लोकतंत्र का अगला पड़ाव मतगणना नहीं, बाड़ेबंदी है। जनता ने वोट दे दिया, प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ लिया और अब पार्टियां अब उन्हें संभालने में जुट गई हैं। बस इंतजार इस बात का है कि बाड़ा कब खुलेगा और कौन सा खेमा अपना बोर्ड बनाएगा।

चुनाव हो गया, अब चलो बाड़े में... प्रत्याशियों की खरीद-फरोख्त के डर से शुरू हुई बाड़ेबंदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। चुनाव खत्म होते ही अब नेताओं और प्रत्याशियों की नई यात्रा शुरू हो गई है–बाड़े की यात्रा। आमतौर पर बाड़े में भेड़-बकरियों को बंद किया जाता है, लेकिन जब मामला खरीद-फरोख्त और चोरी-चकारी के डर का हो तो सियासत में प्रत्याशियों के लिए भी बाड़ेबंदी जरूरी मानी जाने लगी है। मतदान खत्म होते ही पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों को सुरक्षित रखने के इंतजाम तेज कर दिए हैं।

वोट पड़ा और शुरू हुई बाड़ेबंदी

कलयुग की राजनीति में जब से नेताओं और प्रत्याशियों की खरीद-बिक्री का चलन चर्चा में आया है, तब से बाड़ेबंदी भी चुनावी राजनीति का जरूरी हिस्सा बन गई है। मतदान खत्म होते ही पार्टियां अपने प्रत्याशियों को घरों से उठाकर बसों में बैठा देती हैं। इसके बाद बिना दूल्हे की यह बारात होटल या किसी दूरस्थ पर्यटन स्थल की ओर रवाना हो जाती है। यहां प्रत्याशी तब तक मौज-मस्ती करते हैं, जब तक नगर निकाय में बोर्ड बनने की स्थिति साफ नहीं हो जाती। बाड़ेबंदी की सबसे खास बात यह है कि प्रत्याशियों को मोबाइल फोन से भी दूरी बनानी पड़ती है। फोन अगर हाथ में रहा तो दूसरे खेमे से संपर्क होने का खतरा बना रहता है। आजकल फोन से ऑनलाइन खरीदारी तक हो जाती है, ऐसे में सियासी खरीद-फरोख्त के डर से मोबाइल ही बैन कर देना ज्यादा सुरक्षित समझा जाता है। यानी प्रत्याशी बाड़े में और मोबाइल बाहर! राजस्थान में पहले चरण का मतदान खत्म होते ही राजनीतिक दल बाड़ेबंदी की तैयारियों में जुट गए। बांसवाड़ा और अलवर से प्रत्याशियों को अज्ञात स्थानों पर ले जाने की जानकारी सामने आई। चित्तौड़गढ़ में महिला प्रत्याशियों को अपने परिवार के सदस्यों को साथ ले जाने की छूट दी गई। प्रत्याशियों को बस में बैठाकर बाकायदा गिनती की गई और जब संख्या पूरी होने की तसल्ली हुई, तभी बस को आगे रवाना किया गया। अधिकतर जगहों पर बाड़ेबंदी प्रेमपूर्वक हुई, लेकिन बाड़मेर में मामला कुछ ज्यादा ही दिलचस्प हो गया।

बदलती दुनिय और खतरे में भविष्य

क्या हमारा एजुकेशन सिस्टम युवाओं को बेरोज़गारी की ओर धकेल रहा है?

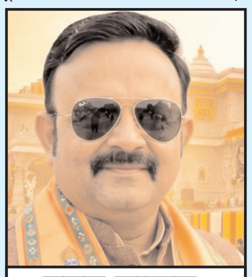

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज, पूरी दुनिया 4th इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन की दहलीज़ पर खड़ी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डेटा साइंस दुनिया भर में काम करने के तरीकों में ज़बरदस्त बदलाव ला रहे हैं। मेडिकल फील्ड में, मुश्किल सर्जरी रोबोटिक आर्म्स से की जा रही हैं, लीगल फील्ड में, AI मिनटों में हज़ारों केस को एनालाइज़ कर रहा है, और ड्रोन खेती से लेकर डिफेंस तक हर चीज़ में क्रांति ला रहे हैं।लेकिन सबसे चिंता की बात और अफ़सोस की बात यह है कि जिस नई दुनिया में हमारा भविष्य - हमारे बच्चे - मुकाबला करने जा रहे हैं, उसमें हमारा पूरा एजुकेशन सिस्टम अभी भी 19वीं सदी के पुराने और बेकार फ्रेमवर्क में फंसा हुआ है!

पारंपरिक डिग्रियों का पतनः BA, BCom, और BSc का भविष्य क्या है?

एक समय था जब BA, BCom या BSc की डिग्री लेना सुरक्षित भविष्य की गारंटी माना जाता था। लेकिन आज के डिजिटल युग में, थ्योरेटिकल नॉलेज पर आधारित इन डिग्रियों की मार्केट वैल्यू लगभग ज़ीरो है। स्किल्स बनाम नॉलेजः जो काम पहले घंटों या दिनों में होते थे–जैसे बेसिक अकाउंटिंग, डेटा एंट्री, या बेसिक लीगल ड्राफ्टिंग–अब स्मार्ट सॉफ्टवेयर से सेकंडों में हो जाते हैं।

एजुकेटेड अनएम्प्लॉयमेंट में तेज़ीः हर साल लाखों स्टूडेंट कॉलेज से पास होते हैं, लेकिन उनके पास मार्केट के हिसाब से ज़रूरी स्किल्स नहीं होतीं, जिनकी इंडस्ट्रीज़ को अभी ज़रूरत है। अगर यही हाल रहा, तो देश में एजुकेटिड अनएम्प्लॉयर्स की एक पूरी पीढ़ी तैयार हो जाएगी।

प्राइमरी एजुकेशन से ही बड़ा बदलाव ज़रूरी है

अगर हम अपने युवाओं को ग्लोबल कॉम्पिटिशन में बनाए रखना चाहते हैं, तो बदलाव कॉलेज से नहीं, बल्कि प्राइमरी स्कूल की पहली क्लास से शुरू करना होगा।

शुरुआती टेक्नोलॉजिकल सॉफ्टवेयरः कोडिंग, टेक्नोलॉजिकल सोच और प्रॉब्लम-सॉल्विंग जैसे सब्जेक्ट्स बचपन से ही शुरू करने होंगे।

AI की सही समझः ऐसा माहौल बनाना ज़रूरी है जहाँ स्टूडेंट सिर्फ़ ढ्ढ के यूज़र ही न बनें, बल्कि इसके क्रिएटर और लॉजिकल यूज़र भी बनें।

सरकारों की बेपरवाही और पॉलिसी बनाने वालों का काम न करना

सबसे गंभीर सवाल यह है कि हमारी सरकारें और एजुकेशन पॉलिसी बदलते समय के साथ चलने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। सिर्फ़ कागज़ पर नई पॉलिसी बनाने या बड़े-बड़े दावे करने से देश का भविष्य नहीं बदलेगा।

बजट और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमीः सरकारी स्कूलों में अभी भी कंप्यूटर लैब या इंटरनेट जैसी बेसिक सुविधाओं की कमी है।

टीचर ट्रेनिंग का सवालः जो टीचर खुद ढ्ढ या नई टेक्नोलॉजी से अनजान हैं, वे नई पीढ़ी को कैसे मज़बूत बनाएंगे? टीचरों का अपग्रेडेशन समय की सबसे बड़ी मांग है।

तुरंत कड़े और पक्के कदम उठाए जाएं

यह सिर्फ़ किसी एक सेक्टर की चिंता नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और आर्थिक भविष्य से जुड़ा बहुत गंभीर मुद्दा है।

करिकुलम को रीस्ट्रक्चर करनाः स्कूल की पहली क्लास से ही प्रैक्टिकल सॉफ्टवेयर, कोडिंग और टेक्निकल एजुकेशन को ज़रूरी बनाना।

कॉलेजों में स्किल-ओरिएंटेड कोर्स- पुराने सिलेबस को खत्म करके डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स, AI प्रॉम्प्टिंग और रोबोटिक्स जैसे सब्जेक्ट को मेनस्ट्रीम में लाना। अगर सरकारें और समाज अब भी इस गंभीर मुद्दे पर नहीं चेते, तो आने वाला समय हमारे देश के लिए एक बड़ा आर्थिक और सामाजिक झटका लेकर आएगा। अब समय आ गया है कि कागज़ पर दावे करना बंद किया जाए और ज़मीनी स्तर पर तेज़ी से और नतीजे देने वाला काम शुरू किया जाए।

राशिफल

(शनिवार) 12 सितंबर 2026

मेष
आज कामकाज में गति आएगी, नई जिम्मेदारी मिल सकती है और धन लाभ के योग बनेंगे।

तुला
आज नए अवसर मिलेंगे, रिश्तों में मधुरता आएगी और व्यापार में लाभ के संकेत हैं

वृषभ
रुके हुए काम पूरे होंगे, परिवार का सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक
कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग हैं, मेहनत से सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी

मिथुन
आज बातचीत से लाभ होगा, करियर में नए अवसर मिल सकते हैं और मन प्रसन्न रहेगा।

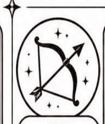
धनु
आज भाग्य का साथ मिलेगा, यात्रा के योग बन सकते हैं और किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी

कर्क
मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, नौकरी-व्यवसाय में प्रगति होगी और पारिवारिक सुख बढ़ेगा।

मकर
मेहनत रंग लाएगी, नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है और धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे

सिंह
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं

कुंभ
आज नए संपर्क लाभदायक रहेंगे, काम में सफलता मिलेगी और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा

कन्या
योजनाओं में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान बढ़ेगा और धन संबंधी चिंता कम होगी

मीन
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, आर्थिक लाभ के योग हैं और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा

सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा के खिलाफ आलोचकों का गुस्सा

एफिल टावर में 'महिलाओं पर रोक' पर बड़ा विवादः BAPS स्वामीनारायण संप्रदाय में महिलाओं के होने पर सवाल

अहमदाबाद/पेरिस। दुनिया के अजूबों में से एक, पेरिस के मशहूर एफिल टावर कॉम्प्लेक्स में हाल ही में हुई एक विवादित घटना ने अब दुनिया भर में धार्मिक और सामाजिक तूफान खड़ा कर दिया है। लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र मानी जाने वाली और दुनिया भर में इसका बड़ा नेटवर्क रखने वाली बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था एक बार फिर महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और साधुओं द्वारा अपनाए जाने वाले सख्त 'महिलाओं पर रोक' नियमों को लेकर गहरे विवाद में फंस गई है।

पेरिस की घटना के बाद सदियों पुरानी धार्मिक पाबंदियों पर हमला

पेरिस में BAPS संतों की मौजूदगी के दौरान महिलाओं को दूर रखने या खास नियमों के तहत कैद रखने की कथित घटना के बाद इंटरनेशनल मीडिया में इस मुद्दे पर ज़ोरदार बहस हो रही है।

साधुओं और महिलाओं के बीच सख्त दूरी स्वामीनारायण संप्रदाय के साधुओं के लिए महिला दर्शन, दर्शन और संपर्क को लेकर बहुत सख्त नियम बनाए गए हैं।

पैर छूने और आशीर्वाद पर रोकः महिला भक्त मंदिरों या सार्वजनिक कार्यक्रमों में सीधे साधुओं के पैर नहीं छू सकतीं और न ही उनसे व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद ले सकती हैं।

धार्मिक ग्रंथों की जांचः दुनिया भर में मशहूर मीडिया संगठन BBC ने भी स्वामीनारायण संप्रदाय के मूल ग्रंथों, जैसे 'शिक्षापत्री' और 'वचनामृत' में महिलाओं के स्थान और साधुओं के ब्रह्मचर्य के नियमों का गहराई से विश्लेषण किया है।

BAPS प्रशासन की चुप्पीः चारों ओर गुस्सा और सवालों की बौछार

इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय विवाद के बाद जब BAPS संगठन के आधिकारिक प्रवक्ता और जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया। संगठन की इस चुप्पी ने आलोचकों को और आक्रामक बना दिया है और संगठन पर विवाद को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं।

21वीं सदी में समानता या भेदभाव? दुनिया भर में दो खेमे आमने-सामने

इस मुद्दे पर अब सोशल मीडिया से लेकर बुद्धिजीवियों तक, दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच तीखी बहस छिड़ गई है

1. पंथ के समर्थकों और भक्तों का तर्क– पंथ के भक्तों का कहना है कि यह

कोई पुरुष-प्रधान सोच या महिलाओं का अनादर नहीं है, बल्कि भगवान स्वामीनारायण द्वारा संतों के संयम और ब्रह्मचर्य के लिए बनाई गई सदियों पुरानी धार्मिक सीमा है। संगठन महिलाओं के लिए अलग सेवा और सत्संग की गतिविधियां चलाता है।

2. मॉडर्न विचारकों और फेमिनिस्ट्स का गुस्साः दूसरी ओर, आलोचकों का मानना है कि 21वीं सदी के मॉडर्न दौर में, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर हो गई हैं, वहां धर्म के नाम पर महिलाओं को अछूत या कमतर समझना महिला सशक्तिकरण के साथ सीधा भेदभाव और पाखंड है। पेरिस के एफिल टावर से शुरू हुई इस चिंगारी ने अब स्वामीनारायण पंथ के नियमों, धार्मिक स्वतंत्रता और महिलाओं की बराबरी के बीच की सीमा पर एक बड़ा कानूनी और नैतिक सवाल खड़ा कर दिया है।

विपक्ष ने विधानसभा में बेबुनियाद दावों के साथ सरकार पर निशाना साधा

मानसून में चार हफ़्ते बारिश होने के बावजूद सूखा घोषित क्यों नहीं किया?

गांधीनगर। राज्य में कुदरती आफ़त और सरकारी बेपरवाही की दोहरी मार झेल रहे धरतीपुत्रों की तकलीफ़ ने अब गांधीनगर की सियासत से लेकर राज्य के कोने-कोने तक गुस्से का उबाल ला दिया है। सरकारी सर्कुलर और नियम के बावजूद, जिसमें कहा गया है, 'अगर लगातार चार हफ़्ते बारिश न हो, तो उस इलाके को सूखा प्रभावित घोषित कर दें ', सरकार इसे लागू करने में आँखें क्यों मूंदे हुए है? इस सनसनीखेज सवाल के साथ विपक्ष ने विधानसभा में सरकार को आड़े हाथों लिया है। दूसरी ओर, नाराज़ किसान संगठनों ने साफ़ तौर पर धमकी दी है कि अगर सरकार ने फ़सल के नुकसान के लिए तुरंत मुआवज़े और सूखे में मदद का ऐलान नहीं किया, तो पूरे गुजरात में सड़कों पर उतरकर एक ज़बरदस्त आंदोलन शुरू किया जाएगा।

1. विधानसभा में हंगामाः सरकारी सर्कुलर लागू क्यों नहीं किया जा रहा है?

विधानसभा सत्र के दौरान, किसानों की खराब हालत और फसल के कटाव को लेकर विपक्षी सदस्यों ने बहुत आक्रामक रुख अपनाया। विपक्ष ने सदन में हमला करते हुए कहाः

कागज़ पर नियमः सरकार ने खुद एक सर्कुलर जारी किया है कि अगर मानसून के दौरान लगातार चार हफ़्ते तक बारिश नहीं होती है, तो किसानों को राहत देने के लिए सूखा घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन जब किसानों की खेतों में खड़ी फसलें जलकर राख हो गई हैं, तो सरकार इस नियम को भूल गई है और चुप है।

सर्वे के नाम पर ड्रामाः विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार 'सर्वे चल रहा है' के बहाने सिर्फ़ टाइम पास कर रही है, जबकि ज़मीनी हकीकत यह है कि किसानों के पास अगली फसल बोने के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं।

2. 'उद्योगपतियों का लोन माफ, लेकिन किसानों के लिए खजाना खाली?'

विपक्ष और किसानों का तीखा सवाल

सरकार की इस पॉलिसी के खिलाफ किसानों और विपक्ष ने राज्य सरकार की दरियादिली पर गंभीर सवाल उठाए हैं

'जो सरकार एक झटके में बड़े उद्योगपतियों के करोड़ों रुपये के कर्ज और बैंक लोन माफ कर देती है, जब देश को दिन-रात खिलाने वाले धरतीपुत्र फसल नुकसान का मुआवजा या बीमा राशि मांगते हैं, तो वही सरकार चिल्लाती है कि खजाना खाली है! यह किसकी सरकार है? आम आदमी की या सिर्फ कुछ पूंजीपतियों की? '

3. महंगे बीज, खाद और डीजल का बोझः कर्ज के बोझ तले दबे किसान

किसान नेताओं के मुताबिक, इस साल बुवाई से लेकर खाद, डीजल और मजदूरी तक हर चीज की कीमतें आसमान छू रही हैं। एक एकड़ जमीन पर हजारों रुपये खर्च करने के बाद जब फसल काटने का समय आया तो बारिश की अनियमितता और बेमौसम हालात ने किसानों को सिर्फ निराशा ही दी है। कर्ज़ में डूबा किसानः जिन किसानों ने बैंकों और साहूकारों से ब्याज पर पैसे लेकर फसल बोई है, वे अब ब्याज नहीं दे पा रहे हैं।

फसल बीमा की कमीः फसल बीमा कंपनियां प्रीमियम तो ले लेती हैं लेकिन जब नुकसान का मुआवजा देने की बात आती है, तो वे किसानों को टेक्निकल कारण बताकर गुमराह करती हैं।

4. गांधीनगर घेराव और हिंसक आंदोलन की खुली धमकी

सरकार की किसान विरोधी नीतियों से तंग आकर किसान संगठनों ने अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। किसान नेताओं ने ऐलान किया है किः

1. अगर सभी प्रभावित इलाकों में तुरंत सूखा घोषित नहीं किया गया...

2. और किसानों को प्रति हेक्टेयर फसल नुकसान का सही मुआवजा नहीं दिया गया...

तो आने वाले दिनों में हजारों किसान ट्रैक्टर और गाड़ियों के साथ गांधीनगर की ओर मार्च करेंगे और सेक्रेटेरिएट का घेराव करेंगे।

सरकार के लिए एक परीक्षा

अब पूरे राज्य की नज़रें सरकार के अगले कदमों पर हैं। क्या सरकार विपक्ष के आक्रामक हमलों और किसानों के गुस्से के आगे झुकेगी और अपने सर्कुलर के मुताबिक सूखा प्रभावित इलाकों के लिए खास राहत पैकेज का ऐलान करेगी? या फिर वह अपनी अड़ियल नीति जारी रखेगा और किसानों को उग्र आंदोलन की ओर धकेलेगा?

क्राइम फ़ाइल

हिट एंड रन का ड्रामा करके कानून को गुमराह करने की कोशिश

अहमदाबाद में 'ऑनर किलिंग' का सनसनीखेज खुलासाः एक्सीडेंट का नाटक करके बेटी को मारने वाले पिता-भाई सलाखों के पीछे

अहमदाबाद। शहर के सरखेज इलाके में 12 अगस्त की रात हुई एक घटना ने पूरे गुजरात को हिलाकर रख दिया है। जिस घटना को एक नॉर्मल और मामूली 'हिट एंड रन एक्सीडेंट' बताया जा रहा था, वह असल में पिता और भाई की रची हुई एक बेरहम और प्लान की हुई 'ऑनर किलिंग' की साजिश निकली। समाज में इज्जत बचाने की सनक में पिता और भाई ने अपनी 22 साल की बेटी सोफिया की हथौड़े से हत्या कर दी थी।

क्या थी घटना और कैसे रची गई साजिश?

22 साल की सोफिया बोपल इलाके के एक हॉस्पिटल में रिसेप्शनिस्ट का काम करती थी। 12 अगस्त की रात को सोफिया के भाई मोहम्मद हाबिल ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बहन के साथ बाइक से घर जा रहा था। सरखेज के पास घेलजीपुरा रोड पर पीछे से आ रही एक अनजान गाड़ी ने उनकी बाइक को ज़ोरदार टक्कर मार दी। इस नकली एक्सीडेंट में सोफिया के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आईं और उसे सोला सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद, भाई हाबिल ने खुद ही मामूली चोट का बहाना बनाकर अनजान ड्राइवर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अहमदाबाद रूडिवीजन ट्रैफिक पुलिस ने अनजान गाड़ी का पता लगाने के लिए गहरी जांच शुरू की। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, घटना की जगह पर कई संदिग्ध बातें सामने आईं

1. CCTV कैमरों की कमी और विरोधाभासः जिस जगह एक्सीडेंट दिखाया गया था, उसके आस-पास CCTV फुटेज चेक करने पर कोई तेज़ रफ़्तार या संदिग्ध गाड़ी गुज़रती हुई नहीं दिखी।

2. बयान में अंतरः भाई हाबिल का हॉस्पिटल से घर जाने के रास्ते और सड़क पर लगे CCTV लोकेशन के बारे में दिया गया बयान मैच नहीं कर रहा था।

3. घटनास्थल से सबूतः मौके से गाड़ी को हुए नुकसान और सड़क के निशान का कोई सबूत नहीं मिला, जो एक ट्रैफिक एक्सीडेंट में होने चाहिए थे।

पुलिस की कड़ी पूछताछ में भाई टूटाः खूनी खेल का खुलासा

जब ट्रैफिक पुलिस ने शक के आधार पर भाई हाबिल से कड़ी पूछताछ की, तो उसकी सारी झूठी कहानियां धराशायी हो गईं। हाबिल ने कबूल किया कि यह एक्सीडेंट नहीं बल्कि उसके और उसके पिता मोहम्मद फारूक का किया हुआ मर्डर था।

हत्या का कारणः करीब तीन महीने पहले सोफिया का एक युवक के साथ एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। परिवार के समझाने के बावजूद सोफिया बात करती रही, जिससे पिता और भाई को समाज में बदनामी का डर था। इसी बात का बदला लेने के लिए वे पिछले तीन महीने से सोफिया की हत्या की साजिश रच रहे थे।

कैसे किया अंजामः 12 अगस्त की रात बारिश का फायदा उठाकर भाई हाबिल ने अपनी पैंट में लोहे का हथौड़ा छिपाया और सोफिया को अस्पताल से लेने चला गया। घेलजीपुरा के पास सुनसान सड़क पर उसने सोफिया के सिर पर हथौड़े से अंधाधुंध वार किया, जिससे वह बेहोश हो गई। फिर, पिता फारूक की मदद से उसने सोफिया के मरने तक इंतजार किया।

एक्सीडेंट का ड्रामाः हत्या के बाद लाश को सड़क किनारे फेंक दिया, बाइक को नुकसान पहुंचाया और भाई हाबिल ने खुद को मामूली चोटें पहुंचाकर एक्सीडेंट का ड्रामा रचा।

पिता-पुत्र सलाखों के पीछे अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता और CCTV स्कैनिंग की बदौलत 'ऑनर किलिंग' का यह सनसनीखेज जुर्म आखिरकार सुलझ गया है। सरखेज पुलिस ने पिता मोहम्मद फारूक और भाई मोहम्मद हाबिल के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। धोखे से अपनी ही बेटी की हत्या करने वाले पिता-पुत्र की इस क्रूरता से पूरे अहमदाबाद में काफी गुस्सा फैल गया है।

'जब एससी-एसटी आयोग हैं तो सवर्ण आयोग क्यों नहीं?', यूजीसी कानून के विरोध में मऊ में प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊ। जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को सवर्ण एकता मंच की ओर से प्रस्तावित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कानून और आरक्षण व्यवस्था से जुड़े मुद्दों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से प्रस्तावित प्रावधानों पर पुनर्विचार करने, यूजीसी कानून को वापस लेने तथा सामान्य वर्ग के अधिकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का गठन करने की मांग उठाई। मऊ में 11 सितंबर को इस मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम की तैयारी की जानकारी पहले भी सामने आई थी। प्रदर्शन के दौरान मुख्य वक्ता राजेंद्र राम ने आंदोलन का समर्थन करते हुए आरक्षण व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई। उन्होंने आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान करने और कोटा के भीतर कोटा जैसे विषयों पर विचार करने की बात कही। उन्होंने यूजीसी में अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी सवाल उठाए और वर्ष 2012 की व्यवस्था को उचित बताते हुए सरकार से पुनर्विचार की मांग की। राष्ट्रीय सवर्ण आयोग की मांग प्रदर्शनकारियों ने कहा कि देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और मानवाधिकार समेत अलग-अलग विषयों के लिए आयोग मौजूद हैं, तो सामान्य वर्ग के अधिकारों और शिकायतों के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोग बनाया जाना चाहिए। मंच के पदाधिकारियों ने इसे किसी वर्ग के अधिकार छीनने की मांग नहीं बताते हुए सामाजिक एकता और समान अवसर से जोड़कर प्रस्तुत किया। 'मैं दलित हूं, हिंदू भी और अंबेडकरवादी भी' राजेंद्र राम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसी व्यक्ति की जातीय पहचान उसकी दूसरी सामाजिक और वैचारिक पहचान को खत्म नहीं करती। उन्होंने स्वयं को दलित, हिंदू और अंबेडकरवादी बताते हुए सामाजिक एकता की बात कही। उन्होंने जातीय आधार पर समाज को बांटने के बजाय सभी वर्गों के बीच भाईचारा बनाए रखने की अपील की। मुख्य आयोजक विजय प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी प्रमुख मांग यूजीसी कानून को वापस लेने और राष्ट्रीय सवर्ण आयोग के गठन की है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को जातिगत टकराव के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और समान अवसर के सवाल के रूप में उठाया जाना चाहिए।

कार लोन का सत्यापन कराने से इनकार पर युवती ने पिता-भाभी पर तानी पिस्टल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र की वृंदावन गार्डन कॉलोनी में कार लोन के सत्यापन को लेकर पारिवारिक विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवती ने कथित तौर पर अपने पिता और भाभी पर पिस्टल तान दी। युवती की इस हरकत से परिवार में हड़कंप मच गया। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने युवती और उसकी सहेली के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। वृंदावन गार्डन निवासी हितेश तोमर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी प्रियंका तोमर करीब ढाई साल से अलग रह रही थी और घर पर उसका आना-जाना भी नहीं था। आठ सितंबर की शाम करीब पांच बजे प्रियंका अपनी एक सहेली के साथ घर पहुंची। उसने अपने पिता से कार लोन के सत्यापन में सहयोग करने को कहा। पिता ने सत्यापन कराने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर प्रियंका ने अपने पिता के साथ गाली-गलौज की। इसी दौरान बीच-बचाव करने पहुंची भाभी के साथ भी हाथापाई हुई। घर में हंगामा होने और आसपास के लोगों के पहुंचने के बाद दोनों युवतियां वहां से चली गईं। करीब 25 मिनट बाद फिर पहुंची दोनों हितेश तोमर के अनुसार, करीब 25 मिनट बाद प्रियंका अपनी सहेली के साथ दोबारा घर पहुंची। आरोप है कि इस बार दोनों ने घर का मुख्य गेट तोड़ दिया और जबरन अंदर दाखिल हो गईं। इसके बाद प्रियंका ने कथित तौर पर अपने पिता और भाभी की ओर पिस्टल तान दी। अचानक सामने हथियार देखकर दोनों डर गए और अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल पर चले गए। सीसीटीवी फुटेज में युवती के हाथ में पिस्टल दिखाई देने का दावा किया गया है। फुटेज के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पिता ने प्रियंका और उसकी सहेली के खिलाफ साहिबाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपित युवती और उसकी सहेली की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोनों को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गांव की महिलाओं को बनाएगी आत्मनिर्भर; 72,669 बन चुकीं लखपति दीदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं को दुग्ध उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। सरकार ने दुग्ध योजना को प्रदेश के सभी 75 जिलों के गांवों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही महिलाओं के अलावा किसानों और युवाओं को भी दुग्ध उत्पादन से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में योजना का विस्तार गांव-गांव तक करने के निर्देश दिए। महिला नेतृत्व वाले दुग्ध मॉडल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला उद्यमिता से जोड़ने पर सरकार विशेष जोर दे रही है। वर्तमान में प्रदेश के 42 जिलों के 7,220 गांवों में करीब 3.94 लाख महिला सदस्य दुग्ध उत्पादन से जुड़ी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन करीब 10.77 लाख लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। सरकार के अनुसार, दुग्ध व्यवसाय से जुड़ी 72,669 महिलाएं अब तक लखपति दीदी बन चुकी हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए दुग्ध उत्पादन केवल घरेलू काम नहीं, बल्कि नियमित आमदनी और स्वरोजगार का माध्यम बन रहा है। पांच महिला दुग्ध कंपनियां संभाल रहीं बड़ी जिम्मेदारी प्रदेश में महिला नेतृत्व वाली पांच दुग्ध उत्पादक कंपनियां अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं को संगठित कर रही हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी, काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी, श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी और सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से ग्रामीण महिला दुग्ध उत्पादकों को बाजार, नियमित भुगतान और बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी से बुंदेलखंड क्षेत्र के हजारों गांवों की महिलाएं जुड़ी हैं। काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी पूर्वांचल में काम कर रही है, जबकि सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी मध्य क्षेत्र में महिला दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर रही है। बाबा गोरखनाथ कृपा कंपनी गोरखपुर क्षेत्र और सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी तराई क्षेत्र में काम कर रही है। इन कंपनियों के माध्यम से दूध के संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंच बनाने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा रही है। आय बढ़ाने पर सरकार का जोर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों से कहा है कि महिलाओं को केवल ऋण उपलब्ध कराने के बजाय उनकी नियमित आय बढ़ाने पर अधिक ध्यान दिया जाए। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना और एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है।

यूपी में 681 प्रमुख सड़कों पर सबसे पहले भरेंगे , त्योहारों से पहले योगी सरकार का बड़ा अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों को लेकर योगी सरकार ने बड़े स्तर पर मरम्मत अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए प्रदेश के 681 महत्वपूर्ण मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर ामुक्त करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां तत्काल मरम्मत की जरूरत है, वहां सड़कों को तुरंत आवागमन योग्य बनाया जाए। बरसात समाप्त होने के बाद सड़कों की वास्तविक स्थिति का दोबारा आकलन कर जरूरत के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने भी सितंबर से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सड़क पुनर्स्थापना अभियान की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया कि मुक्ति अभियान केवल में मिट्टी या सामग्री भरने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सड़क की वास्तविक स्थिति का

तकनीकी आकलन करने के बाद तय किया जाए कि कहां सामान्य मरम्मत पर्याप्त है और कहां पूरी सड़क का नवीनीकरण जरूरी है। अभी कई क्षेत्रों में बारिश जारी होने के कारण तत्काल राहत के लिए जरूरी मरम्मत की जाएगी, जबकि बारिश समाप्त होने के बाद स्थायी कार्य कराया जाएगा। त्योहारों से पहले इन सड़कों पर विशेष ध्यान आने वाले दिनों में गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे पर्व हैं। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं और बाजारों, धार्मिक स्थलों तथा प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए 681 महत्वपूर्ण मार्गों को प्राथमिकता सूची में रखा गया है। सरकार का उद्देश्य है कि त्योहारों के दौरान लोगों को खराब सड़कों और के कारण परेशानी न हो। स्कूल और अस्पताल वाली सड़कें पहले होंगी ठीक मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क सुधार के लिए प्राथमिकता तय करते समय केवल सड़क की लंबाई को आधार न बनाया जाए, बल्कि आम लोगों की जरूरत को भी ध्यान में रखा जाए। शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों, सरकारी कार्यालयों और अधिक आवाजाही वाले स्थानों तक पहुंचने वाली सड़कों को प्राथमिकता देने को कहा गया है। यानी जिन मार्गों से रोजाना बड़ी संख्या में विद्यार्थी, मरीज, कर्मचारी और आम लोग गुजरते हैं, वहां मरम्मत का काम पहले कराया जाएगा। बारिश ही नहीं, भारी वाहनों से भी खराब हुई सड़कें समीक्षा में यह भी सामने आया कि प्रदेश में सड़कों के खराब होने की वजह केवल बारिश और बाढ़ नहीं है। कई स्थानों पर एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे और दूसरी निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। लगातार भारी वाहनों के चलने से भी कई सड़कों को नुकसान पहुंचा है। ऐसे मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर संबंधित विभागों के लिए मरम्मत का लक्ष्य तय किया जाएगा। 4.36 लाख किलोमीटर सड़कों की समीक्षा बैठक में प्रदेश के नौ विभागों के अधीन आने वाली करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कों की स्थिति की समीक्षा की गई। मौजूदा ामुक्ति अभियान के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर मार्गों को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 5,751 किलोमीटर सड़कों पर ामुक्ति का काम पूरा होने की जानकारी दी गई है। 30 हजार किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य सरकार ने केवल भरने के बजाय खराब सड़कों के स्थायी सुधार पर भी जोर दिया है। करीब 30 हजार किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें लगभग 14 हजार किलोमीटर पर काम पूरा होने की जानकारी दी गई।

शिवपुरी में शराब दुकानों के खिलाफ महिलाओं का हल्लाबोल, तोड़फोड़ के बाद थाने के सामने बोतलें फोड़ीं; पुलिस-आबकारी टीम से झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद शिवपुरी में भी शराब की बिक्री को लेकर विरोध तेज हो गया है। जिले के अलग-अलग गांवों में महिलाओं और ग्रामीणों ने शराब दुकानों को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने शराब की पेटियां दुकानों से बाहर निकालकर बोतलें तोड़ दीं और शराब सड़क पर बहा दी। भौंती क्षेत्र में महिलाएं शराब की बोतलें लेकर थाने तक पहुंचीं और थाने के सामने बोतलें फोड़कर विरोध जताया। घटनाओं के बाद कई शराब ठेकेदारों ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। मनपुरा से भौंती थाने तक पैदल मार्च भौंती क्षेत्र में गुरुवार को बड़ी संख्या में महिलाएं मनपुरा से भौंती थाने तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचीं। महिलाओं के हाथों में लाठियां और शराब की बोतलें थीं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से शराब की बिक्री के कारण परिवारों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। उनका कहना था कि शराब की वजह से घरों की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है और पारिवारिक विवाद भी बढ़ रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कथित अवैध शराब की दुकानों से बोतलें बाहर निकालीं और उन्हें लेकर थाने पहुंचे। थाने के सामने बोतलें सड़क पर फेंकी गईं और लाठियों से तोड़कर शराब बहा दी गई। महिलाओं ने

प्रशासन से अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने और शराब दुकानों को आबादी से बाहर करने की मांग की। शराब दुकान पर तोड़फोड़, पुलिस-आबकारी टीम से झड़प शिवपुरी के अमोला क्षेत्र में भी शराब दुकान बंद कराने को लेकर महिलाओं और पुलिस-आबकारी विभाग की टीम के बीच विवाद हो गया। विरोध के दौरान महिलाओं ने शराब की पेटियां बाहर निकालीं और बोतलें तोड़ दीं। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और आबकारी कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की और लाठी-डंडों से मारपीट की बात सामने आई है। कुछ स्थानों पर पथराव की भी जानकारी है। थरखेड़ा में भी महिलाओं ने शराब की पेटियां तोड़ीं सिरसौद-अमोला क्षेत्र के थरखेड़ा गांव में भी महिलाओं ने शराब दुकान के खिलाफ प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिलाएं दुकान पर पहुंचीं और देसी तथा अंग्रेजी शराब की पेटियां बाहर निकालकर सड़क पर रख दीं। इसके बाद लाठियों से पेटियां और बोतलें तोड़ दी गईं। महिलाओं का कहना था कि गांव में शराब की दुकान होने से परिवारों पर आर्थिक और सामाजिक असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने दुकान को आबादी से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। कई लोगों पर मुकदमे, ठेकेदारों ने मांगी सुरक्षा लगातार हो रहे विरोध और तोड़फोड़ के बाद पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मामले दर्ज किए हैं। पुलिस कार्रवाई के साथ शराब ठेकेदार भी सुरक्षा को लेकर प्रशासन के पास पहुंचे। ठेकेदारों ने कहा कि यदि दुकानों और कर्मचारियों को सुरक्षा नहीं मिली तो वे अपने लाइसेंस प्रशासन को सौंपने पर विचार कर सकते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका उद्देश्य शराब की बिक्री से होने वाली सामाजिक समस्याओं को रोकना है। वहीं, दुकानों में तोड़फोड़, सरकारी संपत्ति को नुकसान और पुलिस-आबकारी कर्मचारियों से मारपीट के मामलों में पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अब प्रशासन के सामने एक ओर शराब की बिक्री को लेकर ग्रामीणों के विरोध को शांत कराने और दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती है।

तो इसलिए नाराज हैं उज्जैन के बजरंगबली? नए मंदिर में दक्षिणमुखी से उत्तरमुखी हो जाएंगे खड़े हनुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में करीब 170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर को लेकर इन दिनों आस्था और विकास के बीच बहस तेज हो गई है। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण की योजना के चलते मंदिर को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की तैयारी की गई है। टंकी चौक के पास नए मंदिर का ढांचा भी तैयार कर दिया गया है, लेकिन खड़े हनुमान जी की प्रतिमा अब तक अपनी पुरानी जगह से नहीं हट सकी है। खास बात यह है कि मौजूदा स्थान पर प्रतिमा दक्षिणमुखी है, जबकि नई जगह पर स्थापना होने पर उनके उत्तरमुखी होने की बात सामने आ रही है। यही बदलाव अब श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का बड़ा कारण बन गया है। सड़क चौड़ीकरण की जद में आया मंदिर सिंहस्थ-2028 को देखते हुए उज्जैन में कई प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इसी क्रम में कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक सड़क चौड़ीकरण प्रस्तावित है। खड़े हनुमान मंदिर का स्थान भी इसी मार्ग के दायरे में आ रहा है। प्रशासन की योजना के अनुसार प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से टंकी चौक के पास बनाए गए नए मंदिर में स्थापित किया जाना है। नए मंदिर का ढांचा तैयार हो चुका है और स्थापना की तैयारियां भी की गई थीं। लेकिन पुरानी जगह से नहीं हिले हनुमान प्रतिमा को हटाकर दूसरी जगह ले जाने के प्रयास किए गए, लेकिन वह अपनी जगह से नहीं हिली। कई प्रयासों के बाद भी प्रतिमा को स्थानांतरित नहीं किया जा सका। इस घटना ने श्रद्धालुओं के बीच उत्सुकता और आस्था दोनों बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिमा के नहीं हिलने के वीडियो सामने आने के बाद बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। कई श्रद्धालु इसे दैवीय संकेत मान रहे हैं, जबकि प्रशासन और विशेषज्ञ इसके पीछे तकनीकी कारण तलाश रहे हैं। दक्षिणमुखी से उत्तरमुखी होने पर उठे सवाल मौजूदा मंदिर में खड़े हनुमान जी का मुख दक्षिण दिशा की ओर है। प्रस्तावित नए मंदिर में जिस

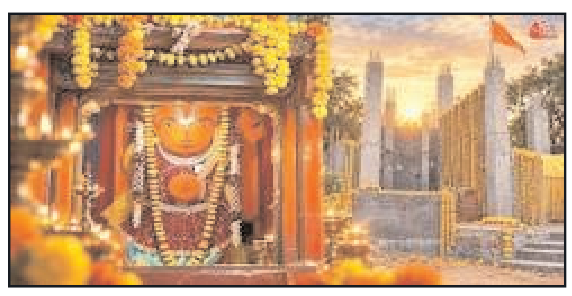

तरह से प्रतिमा की स्थापना की योजना बनाई गई है, उसके अनुसार उनका मुख उत्तर दिशा की ओर हो जाएगा। इसी को लेकर श्रद्धालुओं का एक वर्ग सवाल उठा रहा है।

थाने जा रही युवती का लिव-इन पार्टनर ने रास्ता रोका, गले पर धारदार हथियार से किया वार; फिर खुद को भी घायल किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। युवती थाने जा रही थी, रास्ते में लिव-इन पार्टनर ने रास्ते में रोककर रेता गला, फिर खुद को भी किया घायल इंदौर के पलासिया चौराहे पर तीन साल से लिव-इन में रह रहे युवक ने महिला का रास्ता रोककर धारदार हथियार से उसके गले पर हमला कर दिया. इसके बाद आरोपी ने खुद को भी घायल करने की कोशिश की. दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. महिला की हालत खतरे से बाहर है. उपचार के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.इंदौर के पलासिया चौराहे पर दिनदहाड़े लिव-इन पार्टनर पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है. करीब तीन साल से लिव-इन रिलेशन में रह रहे युवक ने महिला का रास्ता रोककर धारदार हथियार से उसके गले पर हमला कर दिया. हमले के बाद आरोपी ने खुद को भी घायल करने की कोशिश की. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. पुलिस के मुताबिक, चेतन नगर, कनाड़िया क्षेत्र में रहने वाली महिला करीब तीन साल से आरोपी युवक के साथ लिव-इन रिलेशन में थी. महिला ने युवक पर लगातार परेशान करने का आरोप लगाया था. इसी संबंध में वह शिकायत दर्ज कराने महिला थाने जा रही थी. इसी दौरान पलासिया चौराहे के पास आरोपी युवक ने महिला का रास्ता रोक लिया. दोनों के बीच विवाद हुआ. देखते

ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि युवक ने धारदार हथियार से महिला के गले पर हमला कर दिया. हमले में महिला घायल हो गई. वारदात के बाद आरोपी ने खुद को भी घायल करने का प्रयास किया. उसने अपने गले पर हमला कर जान देने की कोशिश की. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. पुलिस के अनुसार, महिला की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है. हालांकि, अभी उसके बयान दर्ज नहीं हो सके हैं. पुलिस का कहना है कि महिला के बयान के बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर और जानकारी सामने आ सकती है. वहीं, आरोपी युवक का भी अस्पताल में इलाज कराया गया. उपचार के बाद पुलिस ने उसे अपनी अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार कर लिया है. अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था और हमले की मुख्य वजह क्या थी. महिला की ओर से युवक पर लगातार परेशान करने का आरोप लगाए जाने की बात भी सामने आई है. इसी शिकायत के सिलसिले में वह महिला थाने जा रही थी, तभी पलासिया चौराहे पर यह वारदात हो गई. दिनदहाड़े हमले से मचा हड़कंप पलासिया चौराहे जैसे इलाके में दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद आसपास हड़कंप मच गया. महिला पर धारदार हथियार से हमला करने के बाद आरोपी ने खुद को भी घायल किया. पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया. पुलिस अब पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है. महिला के बयान अभी दर्ज नहीं हुए हैं, इसलिए पुलिस आरोपी और महिला के बीच हुए विवाद की पूरी वजह जानने के लिए जांच कर रही है.इस मामले में पुलिस की तरफ से एसीपी नीति दंडोतिया ने भी जानकारी दी है. महिला का इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई गई है. आरोपी को उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है. महिला की छोटी बच्चियां फिलहाल अपने नाना के पास हैं. पुलिस अब हमले की वजह, दोनों के बीच हुए विवाद और वारदात से जुड़े पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है. महिला के बयान और पुलिस जांच के बाद मामले की तस्वीर और साफ होगी.

मठ के एक पते पर 40 पासपोर्ट, बांग्लादेशी नागरिकों के भी बने भारतीय दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाने वाले एक संदिग्ध नेटवर्क की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। विशेष कार्य बल की जांच अब भोपाल के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्ना नगर के एक मठ तक पहुंच गई है। जांच में सामने आया है कि इस एक पते का इस्तेमाल करीब 40 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी कराने के लिए किया गया। इनमें ऐसे लोगों के शामिल होने की आशंका है, जिनकी भारतीय नागरिकता और पहचान संदिग्ध है। जांच एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के अलग-अलग पतों से अब तक 70 से अधिक संदिग्ध पासपोर्ट सामने आए हैं। इन दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और निवास संबंधी कागजात का इस्तेमाल किए जाने की जांच चल रही है। अधिकारियों का मानना है कि कथित गिरोह पहले फर्जी पहचान से जुड़े दस्तावेज तैयार करवाता था और फिर उन्हीं के आधार पर पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया पूरी कराता था। जांच का दायरा अब पुलिस सत्यापन व्यवस्था तक भी पहुंच गया है। विशेष कार्य बल यह पता लगा रहा है कि एक ही पते पर इतने लोगों के दस्तावेजों का सत्यापन कैसे हुआ और संबंधित पुलिसकर्मियों ने मौके पर जाकर जांच की थी या नहीं। नगर निगम तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में है, क्योंकि कुछ दस्तावेज सरकारी अभिलेखों और सत्यापन प्रक्रिया से होकर गुजरे थे। विदेश यात्राओं के सुराग भी मिले मामला केवल पासपोर्ट जारी होने तक सीमित नहीं है। जांच में कुछ संदिग्ध पासपोर्ट धारकों के विदेश जाने की जानकारी भी सामने आई है। अलग-अलग रिपोर्टों के अनुसार संदिग्ध लोगों की यात्राओं में थाईलैंड, मलेशिया, चीन, जापान और अन्य देशों के नाम सामने आए हैं। विशेष कार्य बल अब यात्रा विवरण की जांच कर यह पता लगा रहा है कि इन पासपोर्ट का इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया गया। बांग्लादेशी नागरिकों से भी जुड़ा मामला जांच एजेंसियों को आशंका है कि कथित नेटवर्क ने बांग्लादेश से भारत आए कुछ लोगों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पहचान दिलाने में मदद की। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध लोगों ने बौद्ध अनुयायी के रूप में पहचान बनाई और इसी आधार पर भारतीय पते तथा अन्य दस्तावेज तैयार करवाए। डबरा के एक बौद्ध विहार के पते से भी बड़ी संख्या में संदिग्ध पासपोर्ट सामने आए हैं।   आरोपी गिरफ्तार, असम तक पहुंची जांच मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। विशेष कार्य बल की टीमें असम और अन्य राज्यों में भी भेजी गई हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने में

जुटे हैं कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने, पते उपलब्ध कराने, पुलिस सत्यापन कराने और पासपोर्ट बनवाने की पूरी प्रक्रिया में कौन-कौन लोग शामिल थे धिकारियों का कहना है कि जांच अभी जारी है और संदिग्ध पासपोर्ट की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह नेटवर्क केवल फर्जी भारतीय पहचान और पासपोर्ट बनवाने तक सीमित था या इसके पीछे लोगों को भारत से विदेश भेजने वाला कोई बड़ा संगठित तंत्र भी काम कर रहा था।

विरोधी गिरोह के गैंगस्टरों का दिया हवाला; 72 घंटे में दूसरी जेल भेजने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गैंगस्टर हाशिम बाबा ने तिहाड़ की सेंट्रल जेल नंबर-2 में अपनी जान को खतरा बताते हुए उसे दूसरी जेल में स्थानांतरित करने की मांग की थी। इस मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने जेल प्रशासन को हाशिम बाबा को 72 घंटे के भीतर किसी अन्य उपयुक्त जेल में भेजने का आदेश दिया है। अदालत ने जेल प्रशासन से 15 सितंबर को आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट भी पेश करने को कहा है। हाशिम बाबा के वकीलों ने 7 सितंबर को अदालत के सामने सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उनका कहना था कि सेंट्रल जेल नंबर-2 में विरोधी गिरोह से जुड़े कई गैंगस्टर बंद हैं, जिसके चलते हाशिम बाबा की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। वकीलों ने अदालत से कहा कि हाशिम बाबा सेंट्रल जेल नंबर-2 को छोड़कर किसी भी दूसरी जेल में भेजे जाने के लिए तैयार है। वकीलों के मुताबिक, हाशिम बाबा को पहले सेंट्रल जेल नंबर-1 में रखा गया था, लेकिन 27 अगस्त को उसे सेंट्रल जेल नंबर-2 में स्थानांतरित कर दिया गया। बचाव पक्ष ने अदालत को यह भी बताया कि 12 अगस्त 2026 को अदालत ने निर्देश दिया था कि आरोपी को जेल बदलने से पहले उसे पूर्व सूचना दी जाए। इसके बावजूद उसे सेंट्रल जेल नंबर-2 भेज दिया गया। विरोधी गिरोह के सदस्यों का हवाला हाशिम बाबा की ओर से अदालत में दावा किया गया कि सेंट्रल जेल नंबर-2 में उसके विरोधी गिरोह से जुड़े गैंगस्टर भी बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई के विरोधी बंबीहा गिरोह से जुड़े नीरज बवानिया और नवीन बाली भी इसी जेल में बंद हैं। इसी वजह से हाशिम बाबा की ओर से जेल बदलने की मांग की गई। नादिर शाह हत्याकांड में आरोपी है बाबा हाशिम बाबा दिल्ली के ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में 2024 में हुई नादिर शाह की हत्या के मामले में आरोपी है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान उसके वकीलों ने जेल में सुरक्षा को लेकर अदालत के सामने अपनी चिंता रखी। बचाव पक्ष का कहना था कि आरोपी को ऐसी जगह रखा जाए, जहां उसकी सुरक्षा को लेकर जोखिम कम हो। अदालत ने सुरक्षा संबंधी दलीलों को देखते हुए जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि आदेश मिलने के 72 घंटे के भीतर हाशिम बाबा को सेंट्रल जेल नंबर-2 से किसी अन्य उपयुक्त जेल में स्थानांतरित किया जाए। अब जेल प्रशासन को 15 सितंबर को अदालत में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। हालांकि, गुरुवार तक हाशिम बाबा को दूसरी जेल में भेजे जाने की पुष्टि नहीं हुई थी। अब जेल प्रशासन को अदालत के आदेश के अनुसार आगे की कार्रवाई करनी होगी।

भंडारा में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और जीप की टक्कर में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत; 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा लाखनी तालुका में पिंपलगांव-मुंडीपार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां मजदूरों से भरी जीप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। मृतकों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल बताए गए हैं। हादसे में कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, जीप में सवार लोग छत्तीसगढ़ से नागपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पिंपलगांव के पास यह दुर्घटना हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि जीप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राजमार्ग पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया के साथ उनके परिजनों को घटना की सूचना देने की कार्रवाई भी शुरू की गई है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात बहाल किया गया। फिलहाल पुलिस हादसे की वास्तविक वजह की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि टक्कर किन परिस्थितियों में हुई और क्या किसी वाहन की तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही हादसे की वजह बनी। एक साथ 9 लोगों की मौत से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र, दोनों जगह शोक का माहौल है। भंडारा में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और जीप की टक्कर में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत; 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा लाखनी तालुका में पिंपलगांव-मुंडीपार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां मजदूरों से भरी जीप की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। मृतकों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल बताए गए हैं। हादसे में कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, जीप में सवार लोग छत्तीसगढ़ से नागपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पिंपलगांव के पास यह दुर्घटना हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि जीप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राजमार्ग पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया के साथ उनके परिजनों को घटना की सूचना देने की कार्रवाई भी शुरू की गई है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात बहाल किया गया। फिलहाल पुलिस हादसे की वास्तविक वजह की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि टक्कर किन परिस्थितियों में हुई और क्या किसी वाहन की तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही हादसे की वजह बनी। एक साथ 9 लोगों की मौत से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र, दोनों जगह शोक का माहौल है।

कर्मचारियों की आंखों में झोंका और 4.53 लाख रुपये लेकर भागा; आधे घंटे में गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। आरोपी युवक ग्राहक बनकर बैंक में दाखिल हुआ और मौका मिलते ही कर्मचारियों की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया। इसके बाद कैश काउंटर से करीब 4.53 लाख रुपये की नकदी उठाकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और त्वरित कार्रवाई के आधार पर आरोपी को करीब आधे घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। लूटी गई रकम भी बरामद कर ली गई है। घटना नागपुर के सक्करदरा इलाके में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा की है। जानकारी के अनुसार, आरोपी सामान्य ग्राहक की तरह बैंक में पहुंचा था। उसने पहले बैंक के अंदर स्थिति का जायजा लिया और कैश काउंटर के आसपास मौका तलाशता रहा। इसके बाद अचानक उसने अपने पास रखी पॉलीथिन में भरी मिर्च कर्मचारियों की आंखों में फेंक दी। मिर्च पाउडर पड़ते ही बैंक कर्मचारियों की आंखों में तेज जलन होने लगी और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने कैश काउंटर से नकदी उठाई और बैंक से बाहर निकलकर भाग गया। पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सीसीटीवी से मिला सुराग, आधे घंटे में दबोचा घटना की सूचना मिलते ही सक्करदरा पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आरोपी की पहचान करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते आरोपी को वारदात के करीब 30 मिनट के भीतर पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से लूटी गई रकम भी बरामद कर ली गई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि उसने बैंक को निशाना बनाने की योजना कब बनाई थी और क्या उसने पहले से बैंक की रेकी की थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात में वह अकेला था या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था। बैंक की सुरक्षा पर उठे सवाल दिनदहाड़े बैंक में घुसकर कर्मचारियों की आंखों में मिर्च पाउडर डालना और लाखों रुपये लेकर फरार होने की घटना ने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस आरोपी की पृष्ठभूमि और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि उसने वारदात में इस्तेमाल मिर्च पाउडर और अन्य सामान की व्यवस्था कैसे की। पुलिस का कहना है कि मामले

में आगे की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज, आरोपी से पूछताछ और बरामद नकदी के आधार पर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

55 साल से शिरडी आ रहे भक्त ने बेटे की मन्नत पूरी होने पर साईं बाबा को चढ़ाया सोने का मुकुट, 12.82 लाख रुपये है दान मूल्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

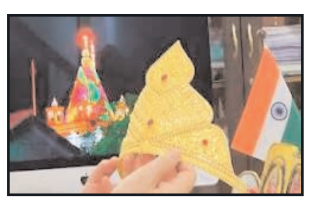

शिरडी। साई बाबा के प्रति दशकों से चली आ रही आस्था की एक अनोखी मिसाल शिरडी में देखने को मिली। पुणे निवासी साई भक्त विकास ताराचंद चोपकर ने बेटे की मन्नत पूरी होने के बाद श्री साईबाबा के चरणों में आकर्षक नक्काशीदार सोने का मुकुट अर्पित किया। इस मुकुट का वजन 90 ग्राम 970 मिलीग्राम है और इसका दान मूल्य करीब 12 लाख 82 हजार 495 रुपये बताया गया है। मुकुट अर्पित करने के बाद श्री साईबाबा संस्थान की ओर से भक्त का सम्मान भी किया गया। विकास ताराचंद चोपकर के लिए साई बाबा के दरबार में पहुंचना केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि करीब पांच दशक से अधिक समय से चली आ रही आस्था का हिस्सा है। चोपकर के अनुसार, वह लगभग 55 वर्षों से शिरडी पहुंचकर साईं बाबा के दर्शन करते रहे हैं। इतने लंबे समय के दौरान उनका जीवन बदला, परिवार बढ़ा और कई परिस्थितियां आईं, लेकिन बाबा के प्रति उनकी श्रद्धा लगातार बनी रही। इसी आस्था के बीच परिवार ने अपने बेटे के लिए साईं बाबा से एक मन्नत मांगी थी। मन्नत पूरी होने के बाद परिवार ने बाबा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का निर्णय लिया। इसी भावना के साथ चोपकर परिवार ने शिरडी पहुंचकर सोने का नक्काशीदार मुकुट बाबा के चरणों में अर्पित किया। 90 ग्राम 970 मिलीग्राम का नक्काशीदार मुकुट श्री साईंबाबा संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, भक्त द्वारा अर्पित किया गया सोने का मुकुट 90 ग्राम 970 मिलीग्राम वजन का है। मुकुट पर आकर्षक और बारीक नक्काशी की गई है। संस्थान ने इसकी दान कीमत 12 लाख 82 हजार 495 रुपये बताई है। मुकुट को बाबा के चरणों में अर्पित करने के बाद संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने भक्त विकास ताराचंद चोपकर का सत्कार किया। चोपकर परिवार के लिए इस मुकुट की अहमियत केवल इसकी कीमत तक सीमित नहीं है। परिवार के लिए यह पूरी हुई मन्नत, बाबा के प्रति विश्वास और वर्षों से चली आ रही श्रद्धा का प्रतीक है। उनका मानना है कि बाबा की कृपा और आशीर्वाद उनके परिवार पर हमेशा बना रहा है और इसी भावना के चलते उन्होंने अपनी श्रद्धा के अनुसार यह भेंट अर्पित की। 55 साल की आस्था बनी विशेष भेंट की वजह साईं बाबा के दरबार में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कोई अपनी मनोकामना लेकर आता है, तो कोई मन्नत पूरी होने के बाद बाबा के चरणों में अपनी श्रद्धा के अनुसार दान या भेंट अर्पित करता है। चोपकर परिवार की यह भेंट भी इसी परंपरा और विश्वास से जुड़ी है। करीब 55 वर्षों से शिरडी आने और बाबा के दर्शन करने वाले चोपकर के लिए यह अवसर खास रहा। बेटे की मन्नत पूरी होने के बाद जब परिवार ने बाबा के चरणों में सोने का मुकुट अर्पित किया, तो इसमें केवल सोने की कीमत नहीं बल्कि लंबे समय से चली आ रही आस्था और भावनाएं भी जुड़ी थीं। श्री साईंबाबा संस्थान के अनुसार, श्रद्धालु समय-समय पर बाबा के चरणों में विभिन्न प्रकार की भेंट अर्पित करते हैं। विकास ताराचंद चोपकर द्वारा अर्पित किया गया यह नक्काशीदार सोने का मुकुट भी श्रद्धा और कृतज्ञता की ऐसी ही एक विशेष भेंट है।

मराठी सीखना गलत नहीं, लेकिन डर का माहौल बनाना ठीक नहीं: अबू आजमी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने कहा कि मराठी सीखना गलत नहीं है, लेकिन भाषा के नाम पर लोगों को धमकाना या अपमानित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भाषा सीखने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा सकता है, लेकिन इसे लेकर डर का माहौल बनाना सामाजिक सौहार्द के लिए ठीक नहीं है। आजमी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और दूसरे राज्यों से महाराष्ट्र आने वाले प्रवासी मजदूर और कामगार राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निर्माण कार्यों से लेकर कारखानों और उद्योगों तक में इन लोगों का योगदान है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाने चाहिए, लेकिन इसके लिए दूसरे राज्यों से आए लोगों को अपमानित करना या उनके बीच भय पैदा करना सही नहीं है। उन्होंने मराठी भाषा के नाम पर टैक्सी और रिक्शा चालकों के साथ कथित तौर पर मारपीट या दुर्व्यवहार की घटनाओं पर भी आपत्ति जताई। आजमी ने कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को स्थानीय भाषा सीखने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन किसी पर दबाव डालना या धमकाना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि यदि प्रवासी मजदूर और कामगार बड़ी संख्या में महाराष्ट्र छोड़कर चले जाएं तो राज्य के कई कामों पर इसका असर नहीं पड़ेगा क्या। अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन के चित्रण को लेकर भी आजमी ने संयुक्त राष्ट्र के नक्शे पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और देश की जमीन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंदिर-मस्जिद और हिंदू-मुस्लिम जैसे मुद्दों से आगे बढ़कर देश की सीमाओं और भू-भाग की सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील की। गरबा में मुस्लिमों की भागीदारी को लेकर उन्होंने कहा कि सभी समुदायों को एक-दूसरे के त्योहारों और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। यदि किसी धार्मिक आयोजन में किसी समुदाय को शामिल होने से मना किया जा रहा है तो वहां जाने की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक आपसी सम्मान और सामाजिक संबंध बनाए रखना ज्यादा जरूरी है।

ब्रिक्स समिट के चलते दिल्ली मेट्रो का बड़ा फैसला, 13 सितंबर को सुबह 6 बजे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था कड़ी की गई है। इस बीच दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने यात्रियों, खासकर परीक्षा देने जा रहे छात्रों और आम लोगों की सुविधा के लिए रविवार 13 सितंबर को मेट्रो सेवाएं सामान्य दिनों से एक घंटा पहले शुरू करने का फैसला किया है। इस दिन सभी मेट्रो लाइनों पर ट्रेन सेवा सुबह 6 बजे से शुरू होगी। डीएमआरसी ने बताया कि ब्रिक्स सम्मेलन के चलते दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात को नियंत्रित और कुछ स्थानों पर परिवर्तित किया जाएगा। ऐसे में लोगों को सड़क मार्ग से आने-जाने में परेशानी हो सकती है। इसे देखते हुए मेट्रो को सुगम और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन विकल्प के तौर पर उपलब्ध रखने के लिए सुबह 6 बजे से सेवा शुरू की जाएगी। दिल्ली पुलिस भी यात्रियों को सम्मेलन के दौरान मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दे रही है। आमतौर पर रविवार को कुछ मेट्रो लाइनों पर सेवा सुबह 7 बजे शुरू होती है, लेकिन 13 सितंबर को सभी लाइनों पर एक घंटे पहले परिचालन शुरू होगा। इससे परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले विद्यार्थियों और सुबह के समय यात्रा करने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क यातायात पर रहेगी पाबंदी ब्रिक्स सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है। सम्मेलन को लेकर 11 से 13 सितंबर तक दिल्ली में कई प्रमुख मार्गों पर यातायात नियंत्रित किया जा रहा है। दिल्ली में 22 प्रमुख स्थानों पर मार्ग परिवर्तन की व्यवस्था की गई है और 35 से अधिक प्रमुख सड़कों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है। यात्रियों को घर से अतिरिक्त समय लेकर निकलने और संवेदनशील इलाकों से अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। मेट्रो स्टेशन बंद होने की अफवाहों पर भी स्थिति स्पष्ट ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर लोगों के बीच यह भी भ्रम था कि सुरक्षा कारणों से कुछ मेट्रो स्टेशन बंद किए जा सकते हैं। दिल्ली मेट्रो ने स्पष्ट किया है कि सभी मेट्रो स्टेशन खुले रहेंगे और मेट्रो सेवा सामान्य रूप से जारी रहेगी, जब तक किसी स्टेशन के संबंध में अलग से विशेष सूचना जारी नहीं की जाती।

मंडावली में 22 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या, 17 वार के बाद हमलावर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में गुरुवार रात 22 वर्षीय यश डेढ़ा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार हमलावरों ने घर के पास गली में यश पर करीब 17 बार चाकू से वार किए और मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों ने पुरानी पारिवारिक रंजिश के चलते हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस हमलावरों की पहचान और वारदात की असली वजह का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

दिल्ली में 1355 पीजी इमारतों का सर्वे, 3 खतरनाक मिलीं; 69 लोग रह रहे थे, 9 में बड़े मरम्मत की जरूरत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत गिरने से सात लोगों की मौत के बाद दिल्ली नगर निगम ने राजधानी में पीजी इमारतों की सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर सर्वे शुरू किया है। अब तक 1355 पीजी इमारतों की जांच की जा चुकी है। इनमें तीन इमारतें ऐसी मिली हैं, जिन्हें देखने में ही खतरनाक पाया गया है। इन तीनों इमारतों में कुल 69 लोग रह रहे थे। वहीं नौ अन्य इमारतों में बड़े स्तर पर मरम्मत की जरूरत सामने आई है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, सर्वे में 1304 पीजी इमारतें देखने में सुरक्षित पाई गई हैं। इन इमारतों में करीब 26,917 लोग रह रहे हैं। तीन खतरनाक इमारतों में 69 लोगों की मौजूदगी सामने आई है। इन इमारतों को लेकर तत्काल सुरक्षा उपायों पर ध्यान दिया जा रहा है। इनमें से एक खतरनाक इमारत को गिराया भी जा चुका है। नौ इमारतों में बड़े मरम्मत की जरूरत सर्वे के दौरान नौ पीजी इमारतों को ऐसी श्रेणी में रखा गया है, जहां बड़े स्तर पर मरम्मत की आवश्यकता है। इन नौ इमारतों में कुल 140 लोग रह रहे हैं। इनमें केशवपुरम की पांच इमारतों में 36 लोग, नजफगढ़ की दो इमारतों में 38 लोग और दक्षिण क्षेत्र-2 की दो इमारतों में 66 लोग रह रहे हैं। इसके अलावा 39 पीजी इमारतों में छोटी-मोटी मरम्मत की जरूरत पाई गई है। इन इमारतों में कुल 664 लोग रह रहे हैं। निगम की जांच में कुछ ऐसी इमारतों की भी पहचान की गई है, जिन्हें भविष्य की दृष्टि से संवेदनशील माना गया है। कई ऊंची इमारतें भी निगरानी में सर्वे में सिविल लाइंस में चार मंजिल से अधिक ऊंची 21 ऐसी इमारतें मिली हैं, जिनमें करीब 420 लोग रहते हैं। शाहदरा दक्षिण क्षेत्र-2 में ऐसी 57 इमारतों की पहचान हुई है, जिनमें 2036 लोग रह रहे हैं। करोल बाग में सात इमारतों में 106 लोग, शाहदरा दक्षिण क्षेत्र-1 में पांच इमारतों में 90 लोग और नजफगढ़ में दो इमारतों में 20 लोग रह रहे हैं। इन इमारतों को भी आगे की निगरानी में रखा गया है। अवैध निर्माण पर भी लगातार कार्रवाई पीजी इमारतों के सर्वे के साथ ही नगर निगम ने अवैध और असुरक्षित निर्माण के खिलाफ कार्रवाई भी तेज कर दी है। सात सितंबर को सात संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। आठ सितंबर को 17, नौ सितंबर को 46 और 10 सितंबर को 41 संपत्तियों पर कार्रवाई हुई। यानी चार दिनों में कुल 111 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इसी अवधि में 88 संपत्तियों को सील भी किया गया। नगर निगम ने अवैध निर्माण को लेकर 91 कारण बताओ नोटिस जारी किए और सीलिंग से संबंधित 69 नोटिस दिए। इसके अलावा 34 संपत्तियों के खिलाफ तोड़फोड़ के आदेश जारी किए गए। सत्य निकेतन हादसे के बाद बढ़ी सख्ती गौरतलब है कि सत्य निकेतन में पीजी के तौर पर इस्तेमाल की जा रही पांच मंजिला इमारत गिरने से सात लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद राजधानी में पीजी, छात्रावास और अन्य बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे। इसके बाद दिल्ली नगर निगम ने ऐसी इमारतों की पहचान और जांच का अभियान तेज किया। अधिकारियों के मुताबिक सर्वे अभी कई क्षेत्रों में जारी है और कुछ इलाकों के आंकड़े प्रारंभिक हैं। ऐसे में आगे खतरनाक, मरम्मत योग्य और संवेदनशील इमारतों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चढ़े भाव

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल जारी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका के बीच शुक्रवार को ब्रेंट और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में करीब एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। खास बात यह है कि दोनों प्रमुख कच्चे तेल के भाव मई के मध्य के बाद पहली बार किसी हफ्ते का अंत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर करने की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर यानी करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 95 सेंट यानी करीब 1 फीसदी की तेजी के साथ 103.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले गुरुवार को दोनों में 6 फीसदी से ज्यादा की जोरदार तेजी आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल में तेजी सिर्फ एक-दो कारोबारी सत्र तक सीमित नहीं है। साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चल रहे हैं। यह 17 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी है। तेल में इस उछाल की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष और अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही को लेकर पैदा हुआ खतरा है। हूती लड़ाकों ने गुरुवार को यमन के मोखा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। इससे लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। दूसरी तरफ फारस की खाड़ी में होर्मुज से आवाजाही पहले ही सीमित बनी हुई है और हाल के दिनों में तेल टैंकरों पर हमले बढ़े हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यमन की तरफ से सऊदी अरब की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए हमलों ने संघर्ष का दायरा ईरान और होर्मुज से आगे बढ़ा दिया है। विश्लेषकों को डर है कि अगर तनाव लंबे समय तक चला तो पूरे इलाके से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। ईरान ने कहा है कि उसने बुधवार को होर्मुज के पास 10 जहाजों पर हमला किया, जबकि अमेरिका ने पांच ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि आगे हमला होने पर उसकी जवाबी कार्रवाई और तेज होगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी ईरान के पिकएक्स माउंटेन को निशाना बनाए जाने की संभावना की चेतावनी दी है। यह जगह ईरान की बुरी तरह क्षतिग्रस्त नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इन बयानों से बाजार में यह चिंता बढ़ गई है कि संघर्ष जल्दी खत्म होने के बजाय लंबा खिंच सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसला

अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो आंकड़ों पर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों पर फिर दबाव नजर आ रहा है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 66.5 डॉलर के नीचे आ गई। अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो अहम आंकड़ों पर है। इनमें उपभोक्ता कीमतों से जुड़ा पीपीआई और खुदरा महंगाई से जुड़ा सीपीआई डेटा शामिल हैं। इन आंकड़ों से संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व 15-16 सितंबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ाएगा या मौजूदा स्तर पर बनाए रखेगा। एक रिसर्च के मुताबिक फिलहाल बाजार में फेड की तरफ से ब्याज दर बढ़ाए जाने की करीब 60 फीसदी संभावना मानी जा रही है। ऐसे में अमेरिका के महंगाई आंकड़े सोने-चांदी की अगली चाल के लिए काफी अहम हो गए हैं। सबसे पहले अमेरिका का उत्पादक मूल्य सूचकांक यानी पीपीआई डेटा आएगा। इसके बाद शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आंकड़े जारी होंगे। बाजार के लिए सीपीआई ज्यादा अहम रहने वाला है और इससे फेड के फैसले को लेकर तस्वीर ज्यादा साफ हो सकती है। अगर महंगाई के आंकड़े अनुमान से मजबूत रहते हैं तो ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद और मजबूत हो सकती है। इससे सोने और चांदी पर दबाव बढ़ सकता है। इसके उलट महंगाई में नरमी दिखाई देती है तो फेड के ब्याज दर नहीं बढ़ाने की उम्मीद बढ़ सकती है, जिससे सोने को सहारा मिल सकता है।

गुरुवार की गिरावट से पहले बुधवार को सोने में करीब एक फीसदी और चांदी में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। इसकी एक बड़ी वजह डॉलर में कमजोरी थी। आम तौर पर डॉलर कमजोर होने से सोने को फायदा मिलता है।हालांकि इस दौरान अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से सोने की तेजी पर दबाव भी बना रहा। अमेरिकी सरकार ने 10 से 20 साल की अवधि वाले 6 अरब डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदने की कार्रवाई की। इसका मकसद लंबी अवधि में सरकार के लिए कर्ज जुटाने की लागत पर दबाव कम करना था। इसके बावजूद अमेरिका के 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.85 फीसदी पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 120, निफ्टी 79 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। हालांकि, दिनभर के कारोबार में यह अपने निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल रहा। आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों से मिले समर्थन ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 120.83 अंक फिसलकर 74,781.76 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 79.70 अंक टूटकर 23,398.10 पर आ गया। आज सुबह दिन के शुरुआत में, सेंसेक्स 593.42 अंकों की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 207 अंक फिसलकर 23,270.30 पर खुला और इंट्रा-डे में 23,231.40 के निचले स्तर तक चला गया था।

वहीं व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी जैसे सेक्टरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

अगस्त में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश आया

-सोने की मांग अमेरिका-यूरोप तक सीमित नहीं, एशिया के निवेशकों की भी दिलचस्पी बढ़ी

नई दिल्ली।

सोने में निवेश को लेकर निवेशकों का रुझान फिर बढ़ा है। अगस्त 2026 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश किया गया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक इनफ्लो है। सोने की मांग सिर्फ अमेरिका और यूरोप तक सीमित नहीं रही, बल्कि एशिया में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक अगस्त में एशियाई गोल्ड ईटीएफ में करीब 2.04 अरब डॉलर का निवेश आया। फरवरी के बाद यह एशिया में सबसे मजबूत मासिक इनफ्लो है। वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में आए निवेश का बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका और यूरोप में लिस्टेड फंडों ने किया।रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में दुनियाभर के गोल्ड ईटीएफ की कुल होल्डिंग करीब 121 टन बढ़कर 4,189 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं इन फंडों की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 16 फीसदी बढ़कर करीब 615 अरब डॉलर हो गई। क्षेत्रवार देखें तो अगस्त में उत्तरी अमेरिका के फंडों में 7.70 अरब डॉलर और यूरोप के फंडों में 7.88 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एशियाई बाजारों में चीन गोल्ड ईटीएफ निवेश के मामले में सबसे आगे रहा। अगस्त में चीन के गोल्ड ईटीएफ में करीब 1.54 अरब डॉलर का निवेश हुआ। इससे वहां की कुल होल्डिंग 10.7 टन बढ़कर 292.7 टन हो गई। शेयर बाजार की धीमी चाल और सरकारी बॉन्ड पर कम ब्याज मिलने की वजह से चीन के लोग सोने में पैसे लगा रहे हैं। जापान में अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में करीब 17.44 करोड़ डॉलर का निवेश आया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- भारत का सहयोग मंत्र, टकराव नहीं!

नई दिल्ली में शुरू हो रहे सम्मेलन में भारत साझा मुद्रा विवाद से दूर रहेगा

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार से शुरू हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत इस 11-सदस्यीय समूह को एक ऐसे मंच के तौर पर प्रस्तुत करेगा जो वैश्विक विकास और सहयोग पर केंद्रित है, न कि किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय समूह का विरोधी। मेज़बान देश के रूप में भारत ब्रिक्स की साझा मुद्रा से जुड़े किसी भी विवादास्पद प्रस्ताव से दूरी बनाए रखेगा, जिसका समर्थन पूर्व में रूस और चीन कर चुके हैं। भारत ने इस समूह को बातचीत, समझ और रचनात्मक सहयोग के मंच के तौर पर पेश करने की कोशिश की है। भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स से जुड़ी बैठकों में हासिल किए गए 50 से अधिक विकास-केंद्रित परिणामों के माध्यम से अपना जन-केंद्रित नज़रिया पेश किया है। साथ ही भारत वैश्विक संस्थानों में सुधार और वर्ष 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी दावेदारी के लिए आम सहमति बनाने की भी कोशिश करेगा। शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का शुक्रवार से राजधानी नई दिल्ली पहुंचना शुरू हो जाएगा। इसी दिन ब्रिक्स व्यापार मंच के नेताओं के सत्र का भी आयोजन होगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेता शामिल होंगे। व्यापार मंच ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और गैर-शुल्क बाधाएं कम करने पर विशेष चर्चा करेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी।

भारत की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा

7.8 फीसदी की बढ़ोतरी सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों से हुई

नई दिल्ली।

भारत की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की प्रवक्ता जूली कोज़ैक ने भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही, जो आईएमएफ के स्टाफ अनुमान और दूसरे आर्थिक जानकारों की उम्मीद से बेहतर है। जूली कोज़ैक के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी मुख्य रूप से सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों की वजह से हुई। इन दोनों क्षेत्रों ने आर्थिक विकास को मजबूत आधार दिया और ग्रोथ अनुमान से ऊपर पहुंच गई।

आईएमएफ की प्रवक्ता ने इस प्रदर्शन को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया. खास बात यह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में झटका देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। दुनियाभर में ऊर्जा की कीमतों में तेजी का असर महंगाई, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

भारत भी अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे माहौल में 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा है।

जूली कोज़ैक ने कहा कि यह प्रदर्शन दिखाता है कि बाहरी दबावों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार बनाए रखने में सक्षम है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि का असर सिर्फ देश तक सीमित नहीं है।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से बढ़ने वाले देशों में शामिल है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बना हुआ है। सर्विस सेक्टर, एक्सपोर्ट और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती भारत की ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। ऐसे में आने वाले समय में भी भारत की आर्थिक स्थिति पर दुनिया के बड़े निवेशकों और आर्थिक संस्थानों की नजर बनी रहेगी।

चार सालों से डिजिटल मीडिया में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेस्क की भी जिम्मेदारी संभालते हैं। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार से 2022 में पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक की डिग्री हासिल की। राजनीति, चुनाव, सामाजिक विषयों और साहित्य में रुचि है। तथ्यों की गहराई और भाषा की संवेदनशीलता पर जोर देते हैं। राजनीति से जुड़ी खबरों पर लगातार लिख रहे हैं।

एनएसई आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

-निवेशक 17 से लगा सकेंगे बोली, सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक रहेगी

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्सचेंज ने आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ में एक लॉट में आठ शेयर होंगे। इस हिसाब से अपर प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशक को एक लॉट के लिए कम से कम 14,280 लगाने होंगे। एनएसई आईपीओ के लिए निवेशक 17 सितंबर से बोली लगा सकेंगे। आईपीओ में सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक है। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 16 सितंबर तक होगी।आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 22 सितंबर को फाइनल हो सकता है। इसके बाद एनएसई के शेयरों की लिस्टिंग 24 सितंबर को प्रस्तावित है। एनएसई के शेयर बीएसई पर लिस्ट होंगे। आईपीओ में योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 50फीसदी हिस्सा आरक्षित रखा गया है। वहीं, 35फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों और बाकी 15फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखा है। आईपीओ की बुक-रनिंग प्रक्रिया के लिए कोटक महिंद्रा केपिटल को लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयरों को फिलहाल अच्छा प्रीमियम मिल रहा है। शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे एनएसई शेयर का ग्रे मार्केट भाव 2,007 था। यह आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 1,785 से करीब 222 ज्यादा है यानी ग्रे मार्केट में एनएसई आईपीओ का जीएमपी करीब 222 या 12.4फीसदी था। हालांकि, ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेतक होता है और इसमें लिस्टिंग के समय वास्तविक प्रदर्शन की गारंटी नहीं होती।

एनएसई का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा। मौजूदा शेयरधारक इस इश्यू के तहत अधिकतम 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे। पहले ओएफएस के तहत 14.9 करोड़ शेयर बेचने की योजना थी। ऑफर का आकार घटने के साथ एनएसई आईपीओ का कुल इश्यू साइज भी पहले के अनुमान से कम हो गया है। शुरुआती तौर पर आईपीओ का आकार करीब 30,000 करोड़ रहने का अनुमान था। ओएफएस में कंपनी को नए शेयर जारी करके पैसा नहीं मिलेगा। इसके बजाय मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचकर आईपीओ के जरिए हिस्सेदारी कम करेंगे।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी में गिरावट

मुम्बई।

घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने में 1,571 रुपये और चांदी में 2,530 की गिरावट आई है। ये गिरावट ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण आई है।

इसके अलावा अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण बढ़ी थोक ऊर्जा कीमतों से उपजे मुद्रास्फीति के दबाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बढ़ती आशंका से भी वैश्विक बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े आने के बाद, अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा 25 बेसिस अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना 61फीसदी से बढ़कर लगभग 71फीसदी हो गई है। इसी कारण निवेशक सोने-चांदी से दूर हो गये।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अक्टूबर अनुबंध में 1,217 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 1,51,124 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह बाजार खुलने पर यह अनुबंध 1,571 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,770 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,341 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,51,175 रुपये का उच्च और 1,50,695 रुपये का निचला स्तर छुआ।

भारत के व्यापार नियमों पर अमेरिका-यूरोपीय संघ ने जताई गहरी चिंता

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

नई दिल्ली।

भारत के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने देश के नियामक और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये बाधाएं भारत के आर्थिक उदारीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा के दौरान इन चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया।

उठाई गई प्रमुख चिंताओं में उच्च टैरिफ, सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपाय, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), सेवाओं और डिजिटल व्यापार पर प्रतिबंध, स्थानीय सामग्री की आवश्यकताएं और सरकारी खरीद में बाधाएं शामिल हैं।

अमेरिका ने भारत सरकार के व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की, लेकिन साथ ही शुल्कों में भारी कटौती करने, गैर-जरूरी एसपीएस एवं टीबीटी उपायों को हटाने, सेवाओं एवं डिजिटल व्यापार में बाधाएं खड़ी करने से बचने और विदेशी निर्यातकों व निवेशकों के साथ भेदभाव करने वाले नियमों को वापस लेने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया।

यूरोपीय संघ ने सीमा शुल्क की अनिश्चित प्रक्रियाओं, बोझिल एसपीएस आवश्यकताओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा में कमियों और सरकारी खरीद तक पहुंच को सीमित किए जाने पर चिंता जताई। यूरोपीय संघ ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बढ़ते उपयोग पर विशेष ध्यान दिया, यह कहते हुए कि ये घरेलू मानकों पर आधारित हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर से अलग व अनुपालन करने में मुश्किल हैं। यूरोपीय संघ ने चेतावनी दी कि इससे भारतीय बाजार के दुनिया की अर्थव्यवस्था से और अधिक अलग-थलग होने और आर्थिक प्रगति के पलटने का खतरा है।

फूड सेफ्टी विभाग ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर मारे छापे

गंदगी व एक्सपायर्ड फूड आइटम मिले, 100 किलो पैकेट किए नष्ट, सेम्पल लैब भेजे

जयपुर।

घरों पर राशन और खाने-पीने का सामान पहुंचाने का दावा करने वाली ऐप-आधारित कंपनियों-ब्लिंकइट और ज़ेप्टो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजस्थान के जयपुर में फूड सेफ्टी टीमों ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर की जांच की और वहां एक्सपायर हो चुके और गलत तरीके से रखे खाने-पीने के सामान पाए गए। इस कार्रवाई के तहत एक्सपायर सामान को नष्ट किया गया, सैंपल लिए गए और साफ-सफाई व स्टोरेज से जुड़ी कमियों को ठीक करने के निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों ने हजारों डेयरी पैकेट नष्ट कर दिए और लैब टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए। ये छापेमारी फूड सेफ्टी विभाग की एक सेंट्रल टीम ने कंपनियों के डार्क स्टोर पर की, जो होम डिलीवरी के लिए हब का काम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान डेयरी प्रोडक्ट के करीब 2,350 पैकेट और बड़ी मात्रा में खराब फूड आइटम मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जगतपुरा में ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर, इंस्पेक्टरों को दूध, दही और छाछ के लगभग 1,550 पैकेट मिले, जिन्हें तय तापमान पर नहीं रखा गया था। नतीजतन, सारस और अमूल डेयरी प्रोडक्ट के करीब 1,550 पैकेट नष्ट कर दिए गए। इंस्पेक्टरों को 7 किलो एक्सपायर्ड फूड आइटम भी मिले, जिनमें म्यूसली, कैंडी और भुजिया शामिल थे। इसके अलावा करीब 100 किलो खराब फूड प्रोडक्ट, जिन पर बिक्री के लिए नहीं लिखा था, हटाकर नष्ट कर दिए गए।निरीक्षण टीम ने डार्क स्टोर और कोल्ड रूम एरिया के आसपास पान मसाला और ज़र्दा थूकने के निशान भी देखे। अधिकारियों ने स्टोर मैनेजमेंट को तुरंत साफ-सफाई और स्टोरेज के तरीकों में सुधार करने का निर्देश दिया। स्टोर मैनेजर की मौजूदगी में पीनट बटर और शहद के सैंपल लिए गए और टेस्टिंग के लिए सेंट्रल लैब भेजे गए।टीम ने आदर्श नगर में ब्लिंकइट के एक डार्क स्टोर का निरीक्षण किया, जहां उन्हें डेयरी उत्पादों के करीब 800 पैकेट और साथ ही बड़ी मात्रा में खराब और एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ मिले। जांच के दौरान अधिकारियों को खराब या एक्सपायर हो चुके स्टॉक मिले, जिनमें अमूल बटर के 24 पैकेट, बॉम्बे बंटा जूस की 60 बोतलें, कम फैट वाले दूध के 11 पाउच, ट्रॉपिकाना जूस, गाय का घी और लगभग 1,400 मिलीलीटर अमूल टोन्ड मिल्क शामिल थे।

त्योहारों पर लोगों को मिल सकती है चीनी के दामों में राहत, सरकार ने की तैयारी

करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में आने से कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली।

आगामी त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही घरों में चीनी की खपत भी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में तेजी आम लोगों का बजट बिगाड़ रही है। चीनी और सब्जियों समेत कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच अब सरकार और चीनी रिफाइनरियां घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इसके तहत करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में उतारने की तैयारी है। माना जा रहा है कि अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होने से आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों में नरमी आ सकती है।

रिफाइंड चीनी को आम तौर पर वही सफेद और चमकदार चीनी माना जाता है, जिसका इस्तेमाल घरों में चाय, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है। इसे कच्ची चीनी यानी गुड़ या गन्ने के रस से कई प्रक्रियाओं के जरिए तैयार किया जाता है। रिफाइनिंग के दौरान अशुद्धियों को हटाकर चीनी को साफ और खाने योग्य बनाया जाता है। देश में कई चीनी रिफाइनरियां बंदरगाहों के आसपास स्थित हैं, जहां कच्चा माल बाहर से मंगाया जाता है। इसके बाद उसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सफेद रिफाइंड चीनी तैयार की जाती है और घरेलू बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी की कीमतों को लेकर राहत की उम्मीद इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि थोक बाजार में इसके भाव पहले की तुलना में नीचे आए हैं। कुछ समय पहले मिल से निकलने वाली चीनी की कीमत करीब 67 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी। अब एक्स-मिल और थोक बाजार में इसके भाव घटकर करीब 45 से 55 रुपए प्रति किलो के बीच आ गए हैं। हालांकि, थोक बाजार में आई इस गिरावट का असर फिलहाल खुदरा बाजार में पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहा है। उपभोक्ताओं को अभी भी दुकानों पर चीनी 60 से 65 रुपए प्रति किलो के भाव में मिल रही है।

यदि बाजार में अतिरिक्त 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी की आपूर्ति होती है और उपलब्ध स्टॉक बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आ सकती है।

त्योहारों से पहले कीमतों में यह संभावित गिरावट आम लोगों के घरेलू बजट के लिए राहत लेकर आ सकती है।

फंड फ्लो में गिरावट से एएमसी शेयरों पर नुवामा का भरोसा बढ़ा, रिटर्न की उम्मीद

निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त में 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया

नई दिल्ली।

म्युचुअल फंड में निवेशकों का पैसा आना जारी है। अगस्त में एक्टिव म्युचुअल फंड में आने वाला पैसा बढ़ा है और एसआईपी के जरिए निवेश भी नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। हालांकि इस बीच एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में आने वाले निवेश में गिरावट देखने को मिली है। दोनों कंपनियों में अगस्त में आया शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले करीब 11 फीसदी घट गया। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म नुवामा को दोनों कंपनियों के शेयरों पर भरोसा है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन एएमसी दोनों पर खरीदारी की राय बरकरार रखी है। इतना ही नहीं, नुवामा ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इन दोनों को अपनी पहली पसंद में भी रखा है।

अगस्त में एचडीएफसी एएमसी में 2,420 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.4 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी घटा है। अगस्त में यह 1.40 फीसदी अंक घटकर 7.7 फीसदी रह गया। हाल के महीनों के मुकाबले यह कमजोर आंकड़ा है। हालांकि नुवामा का मानना है कि इस गिरावट को केवल एचडीएफसी एएमसी की परेशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। बड़ी और पहले से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में आने वाले निवेश की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। एचडीएफसी एएमसी में आई गिरावट भी इसी का हिस्सा है। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त के दौरान 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महाराष्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ्ढ गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

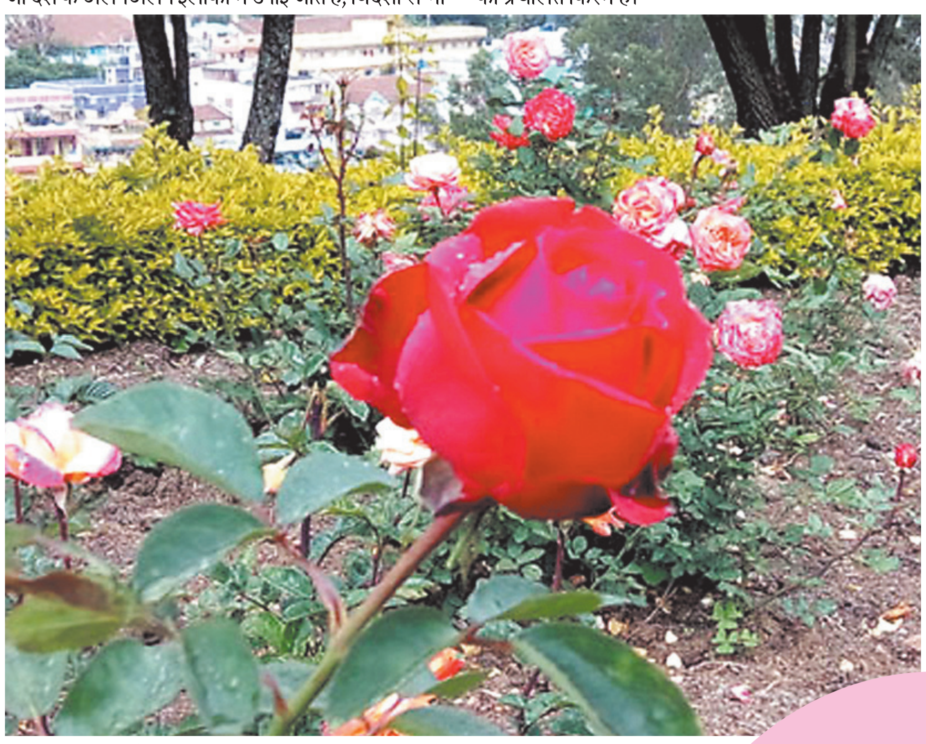

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ~ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्ढंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

दुबई, एजेंस। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया। बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए। जीत के बाद केन ने कहा, 'हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।'

सबालेंका, रायबाकिना के खिलाफ नंबर 1 की चुनौती के लिए तैयार हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऐलेना रायबाकिना से विश्व नंबर 1 रैंकिंग गंवाने पर आर्यना सबलेंका ने आखिरकार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद शीर्ष स्थान से हाथ फिसलते देखना थोड़ा अजीब लग रहा था। हालांकि, रायबाकिना के खिलाफ होने वाले रोमांचक फाइनल से पहले बेलारूसी खिलाड़ी इस हार पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहतीं। क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर रायबाकिना ने नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली । इस जीत के साथ ही कजाख खिलाड़ी ने सबालेंका को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया और बेलारूसी खिलाड़ी के 99 सप्ताह के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इसके बाद रायबाकिना ने सेमीफाइनल में कोको गॉफ को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए , सबलेंका ने स्वीकार किया कि रायबाकिना ने सीजन के मध्य में अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बावजूद शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है। 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि विश्व नंबर 1 बनना कितना मुश्किल है। यह मेरा एक लक्ष्य था। लेकिन अभी मैं कुछ खास नहीं कर सकती। सीजन के मध्य में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एलेना ने कमान संभाली और बहुत अच्छा खेला,' सबलेंका ने कहा। 28 वर्षीय खिलाड़ी अब लगातार चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे उन्हें रैंकिंग में गिरावट के बावजूद टूर्नामेंट को एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ समाप्त करने का मौका मिल गया है। 'मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर सकती हूं और वर्तमान क्षण में रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर सकती हूं। बस इसे बरकरार रखना है और शायद मैं उससे यह खिताब वापस ले लूं,' उसने आगे कहा।

फाइनल में रायबाकिना का सामना होगा

फाइनल में पहुंचकर सबलेंका को शीर्ष स्थान से हटकर अपनी जगह बनाने वाली खिलाड़ी के खिलाफ खुद को परखने का सीधा मौका मिलेगा। रायबाकिना अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं, जबकि सबलेंका न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी चैंपियनशिप जीतने का प्रयास कर रही हैं। सबलेंका को पता है कि आगे क्या चुनौती है। रायबाकिना ने अपनी शानदार सर्विस और आक्रामक बेसलाइन गेम के दम पर पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वहीं गौफ के खिलाफ उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि जब मैच कड़े हो जाते हैं तो वह दबाव को भी झेल सकती हैं। हालांकि, सबलेंका के लिए स्थिति स्पष्ट है। रैंकिंग में फिर से बदलाव हो सकता है, और वह जानती है कि खुद को फिर से मुकाबले में लाने के लिए उसे क्या करना होगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई एक-दूसरे का पीछा कर रहा है। यह सब छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने और बेहतर बनने के बारे में है।' शनिवार को, यूएस ओपन ट्रॉफी की दौड़ में नई विश्व नंबर 1 और उनकी पूर्ववर्ती खिलाड़ी सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने होंगी।

सबालेंका ने नंबर 1 बदलाव को स्वीकार किया

रैंकिंग में बदलाव के समय ने स्थिति को विशेष रूप से असामान्य बना दिया है। सबालेंका एक बार फिर न्यूयॉर्क में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं और फाइनल में अपने खिताब का बचाव करेंगी, फिर भी रायबाकिना के शानदार प्रदर्शन ने उनसे शीर्ष रैंकिंग छीन ली। सबलेंका ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात को स्वीकारना मुश्किल लगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंततः टेनिस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति का ही एक हिस्सा है। 'यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 स्थान छीन लिया जाए। कोई बात नहीं। यही तो खेल है। मुझे यह पसंद है। यही तो खेल की खूबसूरती है,' उन्होंने कहा। न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही रायबाकिना रैंकिंग में अंतर कम कर रही थीं और फाइनल में पहुंचकर उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। गौफ पर उनकी जीत का मतलब है कि वह शनिवार को होने वाले फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी।

नवांग त्सेरिंग ने जीता 'लद्दाख मैराथन'

- 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

लद्दाख, एजेंस। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं। लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है।' नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया। मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया।' युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।' नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने 10 विकेट लेकर इंग्लैंड में काटा गदर

टीम को दिलाई जीत

यॉर्कशर ने एसेक्स को पारी और 106 रनों से मात दी। इस मैच में कुलदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में छह विकेट अपने नाम किए। रन खर्च करने के मामले में भी कुलदीप कंजूस ही रहे। उन्होंने पहली पारी में 70 रन खर्च किए और दूसरी पारी में 50 रन। यहां तक की कुलदीप ने अपने बल्ले से भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम में लगातार नजरअंदाज किए जाने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने यॉर्कशर की जर्सी पहनी है और अपनी फिरकी पर अंग्रेज बल्लेबाजों को जमकर नचाया है। उन्होंने एसेक्स के खिलाफ खेले गए मैच में 10 विकेट लेकर अपनी काबिलियत को फिर सिद्ध किया है और टीम इंडिया के मैनेजमेंट को एक कड़ा संदेश भी दिया है। कुलदीप को टी20, वनडे और टेस्ट में नियमित मौके नहीं मिल रहे हैं। गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से कुलदीप को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड में इस गेंदबाज ने जो किया है उसने गंभीर को भी सोचने को मजबूर कर दिया होगा।

क्या बदलेगा प्लान?

कुलदीप के इस प्रदर्शन के बाद सवाल ये है कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर अपने प्लान में बदलाव करेगा? हाल ही में श्रीलंका दौरे पर कुलदीप को नजरअंदाज किया गया था। स्पिनरों की मददगार पिचों पर कुलदीप को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। वह अपनी फिरकी से इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए काल बन चुके हैं तो उपमहाद्वीप में तो वह और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं।

टेस्ट जर्सी के लिए अर्शदीप झोंक रहे हैं पूरी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की टी20 टीम के अहम सदस्य अर्शदीप सिंक का सपना भी हर क्रिकेटर की तरह टेस्ट क्रिकेट खेलना है। वह चाहते हैं कि लाल गेंद से भी अपनी स्विंग का कमाल दिखाएं। अभी तक वह सीमित ओवरों में ही चमके हैं और टेस्ट गेंदबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। इसलिए वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करते है। उनको पता है कि टेस्ट खेलने के सपने को पूरा करने की राह में प्रथम श्रेणी क्रिकेट अधिक नहीं खेलने को आदर्श तैयारी नहीं माना जा सकता, लेकिन उनका कहना है कि यह पारंपरिक प्रारूप के लिए उनकी तैयारी में कमी को नहीं दर्शाता है।

क्षमता पर है यकीन

दलीप ट्रॉफी के बाद शेर ए पंजाब टीम लुधियाना लॉयंस से जुड़े अर्शदीप ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं है, लेकिन मैं उन्हीं चीजों पर फोकस कर सकता हूं जिससे मौका मिलने पर तैयार रह सकूं। टेस्ट क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है और मुझे इसका इंतजार है। मुझे अपनी क्षमता पर यकीन है कि मैं भारत के लिये योगदान दे सकता हूं।

हर कोशिश जारी

सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाजों में से एक अर्शदीप ने दिसंबर 2019 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। दलीप ट्रॉफी के दो मैच खेलने से पहले उन्होंने एक साल तक कोई प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला था। अर्शदीप ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर

क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने गुरुवार को छ्स्ह स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

अविनाश साबले की वापसी – इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है। ख्नद्ध प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा। ख्नद्ध का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे।

अविनाश 14 महीने तक चोट से बाहर रहे – 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा।

19 सितंबर से शुरू होगा इवेंट – एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इसमें एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय दल भी एथलेटिक्स, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी, कबड्डी और क्रिकेट समेत कई खेलों में चुनौती पेश करेगा।

मिर्जापुर द मूवीः सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया– सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
गुड्डू भैया– अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
मुन्ना भैया– 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।
डिंपी, स्वीटी और गोलू– फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।
बबलू पंडित– फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ– फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।
भैरव सिंह कर्णावत– इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

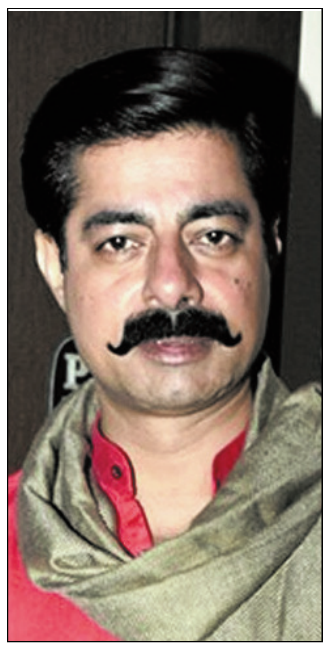

मुमताज बीबी – सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार – बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित – सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।
एसपी परशुराम– सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।
त्यागी परिवार– चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।
माधुरी यादव– सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की। अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए। आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ' 'मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।' 'उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है। '
अर्जुन ने कहा, ' 'मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ' 'मेरे करियर में कभी-कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ' 'लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''
श्रेया ने कहा, ' 'अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''
उन्होंने आगे कहा, ' 'मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने-सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ' 'मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने-सामने मिलने पर मिलता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ' 'कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है। '

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे-धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।
डायरेक्टर और को-क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शकः ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'
पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग -अलग कल्चर और भाषाएं हैं।
श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'
आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

शेरगढ़ में रामदेवरा जा रहे तीन श्रद्धालुओं को बोलेरो कैंपर ने कुचला, मौके पर मौत

चाचा-भतीजे सहित तीन युवकों की दर्दनाक हादसे में जान गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। रामदेवरा (जैसलमेर) पैदल दर्शन के लिए जा रहे तीन श्रद्धालुओं को गुरुवार रात तेज रफ्तार और बेकाबू बोलेरो कैंपर ने कुचल दिया। हादसे में चाचा-भतीजे सहित तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना शेरगढ़ थाना क्षेत्र में शेरगढ़-फलोदी मेगा राजमार्ग पर भूंगरा के पास रात करीब 11:30 बजे हुई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को शेरगढ़ अस्पताल की शवगृह में रखवाया गया। शेरगढ़ थानाधिकारी खेताराम सियोल के अनुसार तेना-नाथासर गांव से पांच श्रद्धालु गुरुवार रात करीब 10 बजे पैदल रामदेवरा के लिए रवाना हुए थे। गांव से करीब 10 किलोमीटर दूर पहुंचने के बाद वे मेगा राजमार्ग पर चल रहे थे। इसी दौरान एक बेकाबू बोलेरो कैंपर ने पैदल जा रहे तीन श्रद्धालुओं को अपनी चपेट में ले लिया। मृतकों की पहचान तेना-नाथासर निवासी नरेश (25) पुत्र चंदाराम, अंबाराम (29) पुत्र कुंभाराम और भानाराम (25) पुत्र अनोपाराम के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही शेरगढ़ थानाधिकारी खेताराम सियोल, सहायक उपनिरीक्षक रूगाराम और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। स्थानीय निवासी बिशन सिंह की मदद से तीनों घायलों को शेरगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बोलेरो कैंपर को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है।हादसे के साथ रामदेवरा जा रहे नरपत राम और उदाराम हादसे में बाल-बाल बच गए। नरपत राम ने बताया कि पांचों साथी गांव से एक साथ पैदल निकले थे।

वह और उदाराम तीनों मृतकों के पीछे करीब 50 फीट की दूरी पर चल रहे थे। इसी वजह से बोलेरो कैंपर की चपेट में आने से दोनों बच गए। तीनों मृतक मजदूरी का काम करते थे।

हादसे के बाद मृतकों के परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश है। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे परिजन और ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर शेरगढ़ थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी विक्रांत शर्मा को अपनी मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने तीनों मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। इसके साथ ही प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने की मांग भी रखी गई है। नरेश, अंबाराम का भतीजा था, जबकि भानाराम उनका पड़ोसी था। हादसे से गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीण मृतकों के परिवारों के लिए उचित सहायता की मांग पर अड़े हुए हैं।

केदारनाथ में बादल फटने से पैदल मार्ग बंद, यूपी-बिहार में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तराखंड। केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फटने के बाद भूस्खलन की घटना सामने आई। तेज बारिश के बाद पहाड़ी इलाकों में बड़े-बड़े पत्थर गिरने से केदारनाथ का पैदल मार्ग बंद हो गया। मार्ग पर मलबा और भारी पत्थर आने के कारण आवाजाही प्रभावित हुई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में यात्रा और आवागमन को लेकर परेशानी बढ़ गई है। केदारनाथ क्षेत्र में शुक्रवार को बादल फटने के बाद पहाड़ी हिस्सों से मलबा और बड़े पत्थर नीचे आ गए। इसके चलते केदारनाथ जाने वाला पैदल मार्ग बाधित हो गया। लगातार बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में बदलते मौसम के कारण मार्ग को लेकर स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। पैदल मार्ग बंद होने से यात्रियों की आवाजाही पर भी असर पड़ा है। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा और यमुना समेत 10 से अधिक नदियां उफान पर हैं। राज्य के 26 जिले बाढ़ की चपेट में बताए गए हैं। इससे चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कई इलाकों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। मिर्जापुर में पुल डूब गया है, जबकि फर्रुखाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी पानी भर गया है। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण नदी किनारे और निचले इलाकों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। मध्य प्रदेश में तीन दिन के विराम के बाद मानसूनी तंत्र एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। गुरुवार रात भोपाल, नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश हुई। दमोह में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं और कई बस्तियों में पानी भर गया है। बारिश के कारण लोगों को आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। राज्य की आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बताई गई है। इसके कारण 2,360 गांव प्रभावित हुए हैं और करीब 44 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए शिविरों की व्यवस्था की गई है। फिलहाल 27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रभावित क्षेत्रों में हालात पर नजर रखी

भारत में ब्रिक्स सम्मेलन से पहले कांग्रेस में अलग अलग सुर, चिदंबरम ने पूछा- देश को क्या मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आने के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय संगठनों से भारत को होने वाले ठोस लाभ पर सवाल उठाया, जबकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत में ब्रिक्स सम्मेलन के आयोजन को देश की कूटनीतिक ताकत और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत बताया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने बुधवार को सवाल उठाया था कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी-20, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन मंचों से देश को वास्तव में कितना ठोस लाभ मिला, इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स को लेकर सवाल किया कि इस संगठन से भारत को क्या फायदा हुआ। चिदंबरम ने यह भी ध्यान दिलाया कि भारत में वर्ष 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं। इसके विपरीत कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के कई फायदे गिनाए। उन्होंने कहा कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भारत में आयोजित होना देश की कूटनीतिक ताकत को दर्शाता है। 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेताओं का भारत आना और उन्हें एक मंच पर साथ लाना इस बात का संकेत है कि भारत विभिन्न देशों को एक साथ लाने की क्षमता रखता है। थरूर ने ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण मंच बताते हुए कहा कि वैश्विक दक्षिण में 100 से अधिक देश हैं, लेकिन ब्रिक्स के 11 सदस्य देश दुनिया की बड़ी आबादी और करीब 41 प्रतिशत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। थरूर ने ब्रिक्स की चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार सभी सदस्य देशों की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित एक जैसे नहीं हैं, इसलिए बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सहमति बनाना कठिन होता है। ईरान-इजराइल और रूस-यूक्रेन जैसे मुद्दों पर भी सदस्य देशों के अलग रुख सामने आए हैं। मई में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान साझा बयान जारी नहीं हो सका था। इसके स्थान पर भारत ने अध्यक्ष के रूप में अपनी ओर से अध्यक्षीय घोषणा जारी की थी। थरूर ने यह भी कहा कि यदि आगामी सम्मेलन में बड़े मुद्दों पर फिर सहमति नहीं बनती है तो ब्रिक्स की एकजुटता पर सवाल उठ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती होगी। इसके अलावा ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा भी चिंता का विषय है, क्योंकि भारत का निर्यात अपेक्षाकृत कम और आयात अधिक है।

सोने-चांदी के भाव में गिरावट, 15 दिन में चांदी 13 हजार और सोना 7 हजार रुपए सस्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार, 11 सितंबर को गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी का भाव 3,742 रुपए घटकर करीब 2.30 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में भी 269 रुपए की कमी आई और यह घटकर करीब 1.53 लाख रुपए रह गई। पिछले 15 दिनों में सोने-चांदी दोनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली है। इस अवधि में चांदी करीब 13 हजार रुपए और सोना करीब 7 हजार रुपए सस्ता हुआ है। 28 अगस्त को सोने का भाव करीब 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब घटकर 1.53 लाख रुपए पर आ गया है। इसी तरह 15 दिन पहले चांदी की कीमत करीब 2.44 लाख रुपए प्रति किलो थी, जो अब लगभग 2.30 लाख रुपए रह गई है। हालांकि, साल 2026 में सोने और चांदी के भाव में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 1 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.53 लाख रुपए हो चुकी है। यानी साल की शुरुआत से अब तक सोने में करीब 20 हजार रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 3.86 लाख रुपए प्रति किलो का अब तक का उच्चतम स्तर भी बनाया था। कोटक सिक्योरिटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिंस अनुसंधान प्रमुख अनिंद्य बनर्जी के अनुसार, सोने को आम निवेशकों के साथ दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों, जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक भी शामिल है, का समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं।

नागपुर में बैंक कर्मचारियों की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर 4.53 लाख की लूट, पीछा कर रहे कर्मचारियों ने आरोपी को पकड़वाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में बैंक लूट का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 28 वर्षीय युवक ने बैंक कर्मचारियों की आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालकर उनसे 4.53 लाख रुपए की नकदी लूट ली। वारदात के बाद आरोपी मौके से भागने लगा, लेकिन बैंक कर्मचारियों ने हिम्मत दिखाते हुए उसका पीछा किया। बाद में पुलिस की मदद से आरोपी को घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटी गई पूरी 4.53 लाख रुपए की रकम बरामद कर ली है।

भांडे प्लॉट इलाके में वारदात

पुलिस के अनुसार घटना गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे नागपुर के भांडे प्लॉट इलाके में हुई। भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी एटीएम से नकदी लेकर अपनी शाखा की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपी ने कर्मचारियों को निशाना बनाया और उनकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर डाल दिया। अचानक हुए इस हमले से कर्मचारी कुछ समय के लिए असहाय हो गए। आरोपी इसी दौरान नकदी लेकर वहां से भाग निकला। पूरी घटना बैंक में लगे निगरानी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया, जिसके बाद वारदात का घटनाक्रम स्पष्ट हुआ। घटना के बाद बैंक कर्मचारियों ने आरोपी का पीछा करना शुरू कर दिया। पुलिस को भी सूचना दी गई। कर्मचारियों और पुलिस की सक्रियता के चलते आरोपी ज्यादा दूर नहीं जा सका और करीब एक किलोमीटर दूर उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज भोजराज बोरकर के रूप में हुई है। वह 28 वर्ष का है और नागपुर ग्रामीण के भिवापुर तहसील के तातोली गांव का रहने वाला बताया गया है। पुलिस के मुताबिक

सूरज बीएससी स्नातक है और फिलहाल बेरोजगार था। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि नौकरी नहीं मिलने और आर्थिक परेशानी के कारण उसने लूट की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच का एक अहम बिंदु यह है कि आरोपी ने वारदात को अकेले अंजाम दिया या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को बैंक कर्मचारियों के पास नकदी होने की जानकारी कैसे मिली। इसके अलावा वारदात की पूरी योजना और आरोपी की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। महाराष्ट्र की इस घटना के बीच गुजरात के सूरत में भी बैंक लूट का मामला सामने आया था। वराछा इलाके में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में हथियारबंद लुटेरे घुस गए और करीब 50 लाख रुपए की नकदी लूटकर फरार हो गए। बताया गया कि पांच से छह बदमाशों ने बैंक कर्मचारियों को बंदूक दिखाकर बंधक बना लिया था। पुलिस के अनुसार नकदी जमा होने के दौरान बदमाश बैंक में दाखिल हुए और वारदात को अंजाम दिया। दोनों घटनाओं के बाद बैंक शाखाओं की सुरक्षा और नकदी के आवागमन को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं।

महाराष्ट्र में दो सड़क हादसों में 14 लोगों की मौत, 11 घायल; भंडारा में तीन बच्चों समेत 8 ने गंवाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भंडारा। महाराष्ट्र में लगातार दूसरे दिन हुए सड़क हादसों ने 14 लोगों को झकझोर दिया। भंडारा जिले में शुक्रवार तड़के ट्रक और बोलेरो की जोरदार टक्कर में तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। वहीं, इससे एक दिन पहले नांदेड जिले में भी वैन और ट्रक की भिड़ंत में छह लोगों की जान चली गई थी और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। दोनों हादसों में तेज टक्कर के कारण वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह करीब चार बजे नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिंपलगांव सड़क के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, बोलेरो में सवार सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से राष्ट्रीय राजमार्ग-53 के रास्ते नागपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक और बोलेरो की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई लोग उसमें फंस गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रक में फंसे वाहन को निकालने के लिए दो जेसीबी मशीनों की मदद लेनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल बताए गए हैं। पुलिस ने घटना के बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर मार्ग पर वैन और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हुई थी।

मिट्टी के घर से मुंबई तक का सफर, खिचड़ी के सहारे गुजरे दिन; संघर्ष से भोजपुरी सिनेमा के सितारे बने रवि किशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। कभी परिवार की गरीबी और जिम्मेदारियों के बोझ के बीच एक वक्त की खिचड़ी में पानी मिलाकर 12 लोगों का पेट भरने वाला एक लड़का आगे चलकर भोजपुरी सिनेमा का बड़ा नाम बना। यह कहानी अभिनेता और राजनेता रवि किशन की है, जिन्होंने अपने जीवन में संघर्ष के ऐसे दौर देखे हैं, जिन्हें वे आज भी याद करते हैं। मिट्टी के घर से शुरू हुआ उनका सफर मुंबई की फिल्मी दुनिया तक पहुंचा, जहां शुरुआती वर्षों में उन्हें काम के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। रवि किशन का जन्म 17 जुलाई 1969 को मुंबई में हुआ था, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण उनका बचपन उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बीता। परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था और खेत तक गिरवी रखना पड़ा था। घर में जिम्मेदारियां बढ़ती जा रही थीं। रवि किशन ने अपने संघर्ष को याद करते हुए बताया था कि उनका परिवार बेहद गरीबी में रहा। एक समय ऐसा भी था जब 12 लोगों के लिए एक ही खिचड़ी बनती थी और उसमें पानी मिलाकर सभी का पेट भरने की कोशिश की जाती थी। रवि किशन को बचपन से ही अभिनय का शौक था। गांव की रामलीला में वह मां सीता की भूमिका निभाते थे और इसके लिए अपनी मां की साड़ी पहनते थे। जब उनके पुजारी पिता ने उन्हें सीता की भूमिका में देखा तो वे बेहद नाराज हुए और उनकी पिटाई कर दी। इसके बाद मां ने उन्हें 500 रुपए दिए और घर से निकल जाने को कहा। अपनी जान बचाने और अभिनय का सपना पूरा करने के लिए रवि किशन 17 साल की उम्र में ट्रेन से मुंबई पहुंच गए। मुंबई पहुंचने के बाद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजमर्रा की जिंदगी चलाने की थी। न कोई फिल्मी पृष्ठभूमि थी, न आर्थिक सहारा और न ही उद्योग में पहचान। उन्होंने वड़ा पाव और चाय के सहारे कई दिन गुजारे। रवि किशन अपने संघर्ष को याद करते हुए कहते हैं कि दूसरे लोग जहां चलकर मुंबई आते हैं, वहीं वह रेंगकर यहां पहुंचे थे। उनके पिता चाहते थे कि वह खेती करें, सरकारी नौकरी करें या दूध बेचें, लेकिन उनका मन अभिनय में ही लगता था। पहचान के लिए 15 साल किया संघर्ष रवि किशन ने 1990 के दशक में हिंदी फिल्मों से अभिनय की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें वह पहचान और सम्मान नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी। उनके अनुसार फिल्म उद्योग में करीब 15 वर्षों तक काम करने के बावजूद उन्हें सम्मानजनक मेहनताना नहीं मिला। इसके बाद भोजपुरी सिनेमा ने उनके करियर को नई दिशा दी। उन्होंने भोजपुरी फिल्मों में अपनी अलग पहचान

नेवियर-स्टोक्स समस्या पर ओपनएआई का बड़ा दावा, बुद्धिमत्ता ने 90 साल पुरानी गणितीय पहेली सुलझाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में ओपनएआई ने गणित की दुनिया की बेहद कठिन समस्याओं में शामिल नेवियर-स्टोक्स समस्या को लेकर बड़ा दावा किया है। कंपनी के अनुसार उसके एक नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल ने इस करीब 90 साल पुरानी गणितीय समस्या से जुड़ी चार में से दो महत्वपूर्ण बातों को साबित कर दिया है। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इससे पूरी समस्या का समाधान नहीं हुआ है और वह इस आधार पर 10 लाख डॉलर के पुरस्कार का दावा भी नहीं करेगी। नेवियर-स्टोक्स समस्या को वर्ष 2000 में क्ले गणित संस्थान की ओर से चुनी गई सात बेहद कठिन गणितीय समस्याओं में शामिल किया गया था। इन सात समस्याओं को 'मिलेनियम समस्याएं' कहा जाता है। इनमें से किसी एक समस्या को पूरी तरह हल करने वाले के लिए 10 लाख डॉलर के पुरस्कार की घोषणा की गई थी। अब तक इन सात में से केवल एक समस्या का समाधान हुआ था। ऐसे में ओपनएआई का दावा सही साबित होता है तो यह इस सूची की दूसरी समस्या से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रगति होगी। नेवियर-स्टोक्स समीकरण पानी और हवा जैसे तरल पदार्थों तथा गैसों के बहाव को समझने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। आसान उदाहरण से समझें तो जब फर्श पर पानी गिरता है तो वह अलग-अलग दिशाओं में फैलता है। वैज्ञानिक गणितीय समीकरणों की मदद से यह जानने की कोशिश करते हैं कि पानी किस दिशा में और कितनी तेजी से बहेगा। मुख्य सवाल यह है कि प्वांकरे परिकल्पना का समाधान 2002-03 में रूसी गणितज्ञ ग्रिगोरी पेरेलमैन ने किया था, लेकिन उन्होंने 10 लाख डॉलर का पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

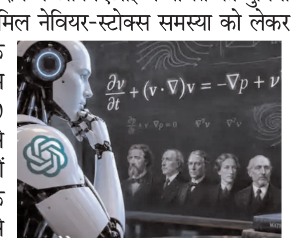

ओपनएआई ने लॉन्च किया जीपीटी-6 एस्ट्रा, कंपनी का दावा- एजीआई युग की शुरुआत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में ओपनएआई ने नया मॉडल जीपीटी-6 एस्ट्रा पेश कर दिया है। कंपनी इसे दुनिया का सबसे बुद्धिमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल बता रही है। ओपनएआई के अनुसार यह मॉडल सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, विज्ञान, साइबर सुरक्षा, वित्तीय मॉडलिंग और आंकड़ा विश्लेषण जैसे जटिल कामों को संभाल सकता है। इसके अलावा कर विवरणी जमा करने और विभिन्न प्रपत्र भरने जैसे रोजमर्रा के कार्य भी यह कुछ ही मिनटों में पूरे करने में सक्षम होगा। ओपनएआई के अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन ने जीपीटी-6 एस्ट्रा के आगमन को कंपनी के लिए बड़ी छलांग बताया है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया अब कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता यानी एजीआई के दौर में प्रवेश कर चुकी है। उनके अनुसार भविष्य में लोग एस्ट्रा के जारी होने को ही एजीआई युग की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं। हालांकि, एजीआई को लेकर ऐसे दावे तकनीकी जगत में व्यापक चर्चा और मूल्यांकन का विषय बने हुए हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.